हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:02 ■ नई दिल्ली 18 से 24 अक्टूबर 2024 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

जन्नत जुबैर के इस पोस्ट पर थम गई निगाहें...

जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकी हमला

डॉक्टर समेत 7 लोगों की हत्या

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में आतंकियों ने लोगों के एक समूह पर हमला करके एक डॉक्टर समेत 7 लोगों की गोलियों से भूनकर हत्या दी। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक आतंकवादियों ने जिले के गुंड इलाके में सुरंग निर्माण का काम कर रही एक निजी कंपनी के दूसरे राज्यों से आए मजदूरों के कैंप पर अचानक से गोलीबारी शुरू कर दी। आर्तकियों द्वारा की गई इस गोलीबारी में एक डॉक्टर के अलावा 6 श्रमिकों की मौत हो गई। इस हमले को अंजाम देकर आतंकी वहां से भाग खड़े हुए।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबल यहां पहुंचे और उन्होंने पूरे इलाके की घेराबंदी करके आंतकियों को खोजने का काम शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं के तहत यहां पर टनल निर्माण का काम हो रहा था, मारे गए 7 लोगों में से 6 यहां काम कर रहे मजदूर ही थे। गांदरबल क्षेत्र में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र में आता है।

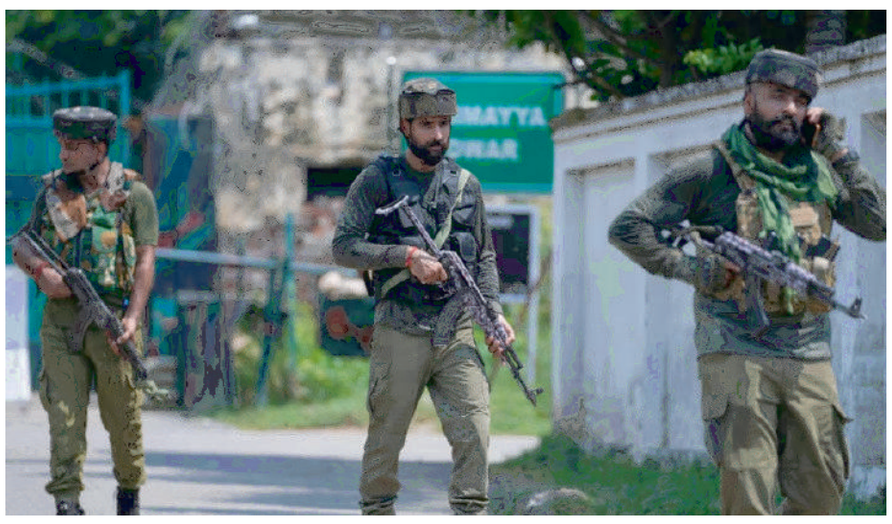

सीएम अब्दुल्ला ने जताया दुख

घटना पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि बाहरी मजदूरों पर किए गए इस कायरता पूर्ण हमले की मैं निंदा करता हूं, यह दुखद है। वे लोग इलाके में एक प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर हुए इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह हमला करने वाले देश का विकास नहीं होने देना चाहते, हम हमला देश के विकास के खिलाफ है।

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने आर्तकियों द्वारा किए गए हमले पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

उपराज्यपाल सिन्हा ने जताया शोक

उपराज्यपाल सिन्हा ने भी इस घटना पर शोक जताया है। उन्होंने लिखा कि हमारे बहादुर जवान जमीन पर है और वह यह निश्चित करेंगे कि आतंकवादियों को उनके किए की भारी कीमत चुकानी पड़े। इस घटना में अपनों को खोने वाले परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं, मैं घायलों से जल्दी स्वस्थ होने की कामना करता हूं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश इस हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ है।

बाहरी लोगों को लगातार बनाया जा रहा है निशाना

जम्मू-कश्मीर में हालिया दिनों में आतंकियों द्वारा बाहरी लोगों की टारगेट किलिंग की जा रही है। वहां काम कर रहे मजदूर इन घटनाओं का सबसे आसान टारगेट हैं। दो दिन पहले ही ऐसी ही एक घटना को आर्तकियों द्वारा अंजाम दिया गया था, जिसमें एक गैर कश्मीरी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक बाहरी लोगों को टारगेट करके आतंकी घाटी में डर फैलाना चाहते हैं। उनका मकसद कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास की योजना पर पानी फेरना है। धारा 370 के हटने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

देश में संविधान और मनुस्मृति के बीच है लड़ाई : राहुल गांधी

रांची, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को मनुस्मृति को संविधान विरोधी पुस्तक करार दिया। झारखंड की राजधानी रांची के डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में आयोजित 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और मनुस्मृति के बीच की लड़ाई वर्षों से चली आ रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि संविधान की किताब भले ही 1949-1950 में लिखी गई, लेकिन इसके पीछे की सोच हजारों साल पुरानी है। भगवान बुद्ध, गुरु नानक, बाबा साहेब अंबेडकर, बिरसा मुंडा, नारायण गुरु और बसावना जैसे महापुरुषों की सोच के आधार पर इसे रचा गया है। ऐसे महापुरुष और उनकी महान सोच नहीं होती तो संविधान की रचना ही नहीं होती। इसी सोच पर आज चौतरफा हमला हो रहा है। आज संविधान की रक्षा का सवाल सबसे बड़ा है। केंद्र की सरकार पर हमला बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान पर केवल नरेंद्र मोदी और अमित शाह नहीं, बल्कि उनके साथ कई लोग मिलकर आक्रमण कर रहे हैं। उनका लक्ष्य है कि संविधान को खोखला

और खत्म कर दिया जाए। लेकिन, हम यह होने नहीं देंगे।

जातीय जनगणना का संकल्प दोहराते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि इस देश के 90 प्रतिशत लोगों का हक एक प्रतिशत लोग मिलकर छीन रहे हैं। 90 प्रतिशत लोगों का इतिहास मिटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम हर हाल में जातीय जनगणना कराएंगे और इसके साथ ही 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को खत्म करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पूरी स्कूली शिक्षा हिन्दुस्तान में हुई है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में आदिवासियों के बारे में एक पूरा चैप्टर तक नहीं है। इनके इतिहास, जीने के तौर-तरीकों, उनके विज्ञान, दर्शन और राजनीति का कहीं कोई जिक्र नहीं है। दलितों के बारे में सिर्फ एक लाइन है कि उनसे छुआछूत का व्यवहार होता है। इसी तरह ओबीसी, किसान, मजदूर, बढ़ई, नाई, मोची- इन तमाम लोगों का इतिहास कहीं लिखा ही नहीं गया है, जबकि हिन्दुस्तान में 90 प्रतिशत लोग यही हैं।

देश की अफसरशाही संरचना को भेदभावपूर्ण करार देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बड़े मंत्रालयों में दलित, आदिवासी और पिछड़े अफसर नहीं के बराबर हैं। आज अगर देश में 100 रुपये खर्च करने का निर्णय लिया जाता है, तो इसमें दलितों, पिछड़ों और आदिवासी अफसरों की हिस्सेदारी बेहद कम हैं। पिछड़े वर्ग के अफसर 10 प्रतिशत, दलित अफसर मात्र एक रुपये और आदिवासी अफसर मात्र 10 पैसा खर्च करने का निर्णय ले पाते हैं।

राहुल गांधी ने मीडिया, कॉरपोरेट वर्ल्ड, ज्यूडिशियरी, लीगल सिस्टम, ब्यूरोक्रेसी से लेकर बॉलीवुड तक में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की बेहद कम भागीदारी का सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें उनका हक और हिस्से से दूर रखा गया है।

एक नजर

विजया किशोर रहाटकर बनीं राष्ट्रीय महिला आयोग की नई अध्यक्ष

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग का नया अध्यक्ष बनाया है। महिला आयोग ने एक पोस्ट में कहा, एनसीडब्ल्यू को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनसीडब्ल्यू अधिनियम, 1990 की धारा 3 के अनुसार केंद्र सरकार ने विजया किशोर रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। एक सरकारी अधिसूचना में पुष्टि की गई है कि राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के तहत की गई नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए या उनकी आयु 65 वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, के लिए होगी। विजया किशोर रहाटकर ने रेखा शर्मा का स्थान लिया है, जिनका एनसीडब्ल्यू प्रमुख के रूप में कार्यकाल 6 अगस्त को समाप्त हो गया। रहाटकर की नियुक्ति के अलावा सरकार ने एनसीडब्ल्यू में नए सदस्यों की भी नियुक्ति की है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार डॉ. अर्चना मजूमदार को तीन साल के कार्यकाल के लिए आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव और पार्टी की राजस्थान इकाई की सह-प्रभारी विजया रहाटकर पिछले कुछ सालों से पार्टी में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुकी हैं। बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के वह 1995 में बूथ कार्यकर्ता के रूप में भाजपा में शामिल हुईं और धीरे-धीरे आगे बढ़ती गईं। विजया रहाटकर इससे पहले महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष रह चुकी हैं। वो भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रही हैं। वह 2007 से 2010 तक औरंगाबाद नगर निगम की महापौर रही हैं। महापौर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वह राष्ट्रीय महापौर परिषद की उपाध्यक्ष और महाराष्ट्र महापौर परिषद की अध्यक्ष भी रहीं।

विस्तारा की तीन उड़ानों को मिली बम से उड़ाने की धमकियां झूठी निकलीं

नई दिल्ली। विमानन कंपनी विस्तारा के तीन अंतरराष्ट्रीय विमानों में बम होने की धमकी मिली थी, जो बाद में यह झूठी निकलीं। एहतियात के तौर पर एक विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे फ्रैंकफर्ट ले जाया गया था। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। विस्तारा के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि दिल्ली से उड़ान भरने वाले तीन विमानों को सोशल मीडिया पर शुक्रवार को सुरक्षा संबंधी धमकियां मिली थीं और प्रोटोकॉल के तहत, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी से लंदन, पेरिस और हांगकांग जाने वाले विस्तारा के विमानों में बम की धमकी मिली थी, जो बाद में झूठी निकलीं। प्रवक्ता ने कहा, दिल्ली से लंदन जाने वाली विस्तारा की उड़ान संख्या 'यूके17' का मार्ग एहतियात के तौर पर फ्रैंकफर्ट की ओर मोड़ दिया गया। फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और हमने आवश्यक जांच पूरी करने में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया, जिसके बाद विमान को अपने गंतव्य की ओर जाने के लिए मंजूरी दे दी गई।

झारखंड के लिए भाजपा के 66 उम्मीदवार घोषित

झामुमो और कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी शेष 11 सीटें राजद और माले के खाते में

- चंपाई सोरेन के बेटे को भी मौका
- हेमंत के खिलाफ कौन? मंथन जारी
- कल्पना सोरेन के सामने मुनिया देवी को मौका

रांची, एजेंसी। भाजपा ने झारखंड चुनाव के लिए 66 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को धनवार से, लोबिन हेम्ब्रोम बोरियो से और हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को जामताड़ा से चुनाव मैदान में उतारा है। पूर्व सीएम चंपई सोरेन सरायकेला से जबकि गीता कोड़ा को जगनाथपुर से टिकट दिया गया है। मीरा मुंडा पोटका से चुनाव लड़ेंगीं।

भाजपा ने चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को भी उम्मीदवार बनाया है। बाबूलाल सोरेन को घाटशिला से टिकट दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की पुत्रवधू पूर्णिमा दास साहू की राजनीतिक इंट्री हुई है। मीरा मुंडा को पोटका से जबकि पूर्णिमा को जमशेदपुर पूर्वी से उम्मीदवार बनाया गया है।

बीमार चल रहे सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की जगह उनक पत्नी तारा देवी को उम्मीदवार बनाया गया है। बरहेट सीट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ अभी किसी को नहीं उतारा गया है। सूत्रों की मानें तो हेमंत के खिलाफ किसी दमदार उम्मीदवार को मौका दिया जा सकता है।

भाजपा ने 12 महिलाओं को टिकट दिया है। कोडरमा, निरसा, छतरपुर से महिला विधायकों दोबारा मौका दिया गया है। पिछली बार झरिया से पूर्व विधायक रागिनी सिंह को हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि भाजपा ने उनको भी भाजपा ने मौका दिया है। भाजपा ने गांडेय में कल्पना सोरेन के खिलाफ मुनिया देवी को मैदान में उतारा है।

वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस 70 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी और शेष सीटों पर सहयोगी दल चुनाव लड़ेंगे। इस हिसाब से 11 सीटों का बंटवारा राजद और माले के बीच होगा।

श्री सोरेन शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि फिलहाल पहले चरण में ये बातें तय की गई हैं। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग में हर पहलू पर ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि सभी गठबंधन अपने-अपने ताल ठोक रहे हैं।

बीजेपी ने उपचुनाव के लिए घोषित किए 25 उम्मीदवार

बीजेपी ने 24 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. पार्टी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से से कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी के सामने नव्या हरिदास को उतारा है. इसके अलावा बीजेपी ने असम की तीन, बिहार की दो, छत्तीसगढ़ की 1, कर्नाटक की दो, केरल की दो, मध्य प्रदेश की 2, राजस्थान की 6 और पश्चिम बंगाल की भी 6 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है.

सॉफ्टवेयर इंजीनियर नव्या हरिदास पिछले दो कार्यकाल से कोझिकोड निगम के करापराम्प वार्ड से पार्षद हैं. और निगम में भाजपा संसदीय दल की नेता हैं. उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव में कोझिकोड दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा था. हालांकि हार का सामना करना पड़ा था. वह महिला मोर्चा की राज्य महासचिव भी हैं.

सीट---उम्मीदवार

धनवार बाबूलाल मरांडी
राजमहल अनंत ओझा
बोरियो (एसटी) लॉबिन हेंब्रम
लिटिपाड़ा (एसटी) बाबूलन मुर्मू
महेशपुर (एसटी) नवनीत हेंब्रम
शिकारीपाड़ा (एसटी) परितोष सोरेन
नाला माधवचंद्र महतो
जामताड़ा सीता सोरेन
दुमका (एसटी) सुनील सोरेन
जामा (एसटी) सुरेश मुर्मू
जरमुंडी देवेंद्र कुंवर
मधुपुर गंगा नारायण सिंह
सारठ रणधीर कुमार सिंह
देवघर(एससी) नारायण दास
पोड़ैयाहाट देवेंद्रनाथ सिंह
गोड्डा अमित कुमार मंडल
महगामा अशोक कुमार भगत
कोडरमा नीरा यादव
बरकट्ठा अमित यादव
बरही मनोज यादव
बड़कागांव रोशन लाल चौधरी
हजारीबाग प्रदीप प्रसाद
सिमरिया(एससी) उज्जवल दास
बगोदर नागेंद्र महतो
जमुआ (एससी) मंजू देवी
गांडेय मुनिया देवी
गिरिडीह निर्भय कुमार शाहाबादी
बेरमो रवींद्र पांडेय
बोकारो विरंची नारायण
चंदनकियारी(एससी) अमर कुमार बाउरी
सिंदरी तारा देवी
निरसा अन्नपूर्णा देवी
धनबाद राज सिन्हा
झरिया रागिनी सिंह
बाघमारा शत्रुधन महतो
बहरागोड़ा दिनेशानंद गोस्वामी
घाटशिला (एससी) बाबूलाल सोरेन
पोटका (एसटी) मीरा मुंडा
जमशेदपुर पूर्वी पूर्णिमा दास साहू
सरायकेला (एसटी) चंपाई सोरेन
चाईबासा (एसटी) गीता बलमुचू
मझगांव (एसटी) बड़कुंवर गगराई
जगन्नाथपुर (एसटी) गीता कोड़ा
चक्रधरपुर (एसटी) शशिभूषण समद
खरसांवा (एसटी) सोनाराम बोदरा
तोरपा (एसटी) कोचे मुंडा
खूंटी (एसटी) नीलकंठ सिंह मुंडा
खिजरी(एसटी) रामकुमार पाहन
रांची सीपी सिंह
हटिया नवीन जायसवाल
कांके(एससी) जीतू चरण राम
मांडर (एसटी) सन्नी टोप्पो
सिसई (एसटी) अरूण उरांव
गुमला (एसटी) सुदर्शन भगत
विशुनपुर (एसटी) समीर उरांव
सिमडेगा (एसटी) श्रद्धानंद बेसरा
कोलेबिरा (एसटी) सुजान जोजो
मनिका (एससी) हरिकृष्ण सिंह
लातेहार (एससी) प्रकाश राम
पांकी कुशवाहा शशिभूषण मेहता
डाल्टनगंज आलोक चौरसिया
विश्रामपुर रामचंद्र चंद्रवंशी
छतरपुर(एससी) पुष्पा देवी भुईंया
हुसैनाबाद कमलेश कुमार सिंह
गढ़वा सत्येंद्रनाथ तिवारी
भवनाथपुर भानु प्रताप शाही

दिल्ली के जहांगीरपुरी में दो गुटों के बीच गोलीबारी से सनसनी, एक की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोग रविवार शाम को एकबार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट से सहम गए। राष्ट्रीय राजधानी के जहांगीरपुरी इलाके में दो गुटों के बीच फायरिंग में एक शख्स की मौत हो गई है जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। दो गुटों के बीच फायरिंग की यह वारदात जहांगीरपुरी इलाके के डी-ब्लॉक में हुई बताई जाती है। पुलिस टीमें मौके पर पहुंची हैं। मामले की छानबीन जारी है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, स्थानीय पूछताछ में पता चला है

कि दीपक, उसका भाई और साथी पार्क 900 वाली गली जहांगीरपुरी में खड़े थे। इसी बीच नरेंद्र और सूरज नाम के दो शख्स गली डी-ब्लॉक में आए। फिर दोनों पक्षों के बीच गरमागरम बहस हुई। देखते ही देखते दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गोलीबारी शुरू कर दी। फायरिंग में दीपक उर्फ पत्रकार (उम्र-35 वर्ष) को गर्दन, दोनों पैरों और पीठ पर चोटें आईं। उसे बीजेआरएम अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बीजेआरएम अस्पताल के डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया है। दीपक को उसके भाई ने ही भर्ती कराया था। बाद में थाना जहांगीर पुरी को अस्पताल में 2 अन्य घायलों के भर्ती होने के बारे में सूचना मिली। इसमें से एक का नाम नरेंद्र और दूसरे का नाम सूरज बताया जाता है। दोनों जहांगीरपुरी के निवासी बताए जाते हैं।

नरेंद्र की पीठ में और सूरज के पैर में चोटें आई हैं। पुलिस ने कहा कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा रही है। दोनों आरोपी नरेंद्र और सूरज हिरासत में हैं। अन्य सह-आरोपियों की तलाश जारी है। गौरतलब है कि एक दिन पहले शनिवार शाम को दिल्ली के वेलकम इलाके में दो गुटों के बीच ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना सामने आई थी। बताया जाता है कि जींस बनाने वाले दो समूहों के बीच पैसे के लेन-देन को लेकर हुए झगड़े में दोनों तरफ से करीब 17 राउंड गोलियां चलीं।

मृतक दीपक को लगी 4 गोलियां

फायरिंग में दीपक के गर्दन, दोनों पैरों और पीठ पर गोलियां लगीं. जबकि नरेंद्र और सूरज के पीठ और पैर पर चोटें आई हैं. गंभीर हालत में तीनों को अस्पताल में बर्ती कराया गया, जहां दीपक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. दीपक के 4 गोलियां लगी थीं. स्थानीय लोगों ने बताया कि गगन नाम के युवक से विवाद चल रहा था. समझौते के लिए दोनों गुट इकट्ठा हुए थे. लेकिन बात नहीं बनी तो गोलियां चल गईं. बताया जा रहा है कि 8-10 लोग हाथ में गन लेकर आए और एक-दूसरे पर फायरिंग करने लगे. पुलिस ने दो आरोपी नरेंद्र और सूरज को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस कई धाराओं में FIR दर्ज कर जांच कर रही है. देश का राजधानी इन दिनों क्राइम का अड्डा बनती जा रही है. एक दिन पहले यानी 19 अक्टूबर को नॉर्थ ईस्ट के वेलकम इलाके में 60 राउंड गोलियां चली थी. इसमें अपने घर के बालकनी में खड़ी 19 साल की लड़की को गोली लग गई थी.

लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा नादिर शाह मर्डर केस में बना सरकारी गवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का बेहद करीबी योगेश भाटी अपने सहयोगी राजपाल सिंह के साथ नादिर शाह हत्याकांड मामले में सरकारी गवाह बन गया है। दोनों को दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि लॉरेंस बिश्नोई ने ही नादिर शाह हत्याकांड की साजिश रची थी। ज्ञात हो कि दक्षिणी दिल्ली में नादिर शाह की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि योगेश और राजपाल के वकील दीपक त्यागी ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें दोनों आरोपियों ने कोर्ट में सरकारी गवाह बनने की अर्जी लगाई थी। कोर्ट में उनके आवेदन को स्वीकार कर शुक्रवार को दोनों के बयान दर्ज कराए गए हैं। फिलहाल दोनों को बेल पर रिहा कर दिया गया है।

योगेश भाटी और राजपाल सिंह ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि दो शूटरों ने नादिर शाह पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इस दौरान एक आरोपी ने उसका वीडियो भी बनाया था। यह वीडियो गुजरात जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई को भेजा गया था। बिश्नोई ने वीडियो देखने के बाद मध्य प्रदेश में गैंग की कमान संभाल रहे योगेश को वीडियो कॉल कर दोनों मुख्य शूटरों के रहने के लिए इंतजाम करने को कहा था। बिश्नोई से निर्देश मिलने के बाद दोनों शूटर मध्य प्रदेश पहुंचे थे।

नए लोगों की भर्ती का जिम्मा मलिक के पास

नादिर शाह हत्याकांड के बाद पुलिस ने हाशिम बाबा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस जांच में पहली बार गैंगस्टर रणदीप मलिक का नाम सामने आया है। रणदीप मालिक अमेरिका में बैठकर लॉरेंस गैंग की कमान भारत में संभाल रहा है। कोर्ट में पुलिस ने बताया है कि भारत में नए लोगों की भर्ती करने से लेकर शूटरों के लिए हथियार उपलब्ध कराने तक, सभी काम अब मलिक संभाल रहा है। पहले ये काम गोल्डी बराड़ करता था। फिलहाल गोल्डी बराड़ को गैंग के लिए पैसा जमा करने का काम दिया गया है।

अवैध रूप से पटाखा बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। अवैध रूप से पटाखा बेचने वाले तीन आरोपियों को थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से छह बोरा पटाखा बरामद किया है। पटाखा बेचने के लिए इन लोगों ने सेक्टर-11 के होटल में कमरा किराए पर लिया था। इसी कमरे को स्टोर रूम बनाया था। यही से पटाखा बेचे जा रहे थे। इनकी पहचान अभिनय, अमन और केशव चौधरी हुई है। ये तीनों उन सस्ती दरों पर पटाखा खरीदकर नोएडा में दस गुना दाम पर पटाखा बेच रहे थे।

बता दे नोएडा में पटाखा चलाना प्रतिबंधित है।नोएडा जोन के डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग होटल एसएनजी एल-107 सेक्टर-11 में रुके है। ये लोग नोएडा में अवैध रूप से पटाखा बेच रहे है। पुलिस ने होटल के कमरा नंबर 103 में छापा मारा। यहां से तीनों को गिरफ्तार किया और पटाखा बरामद किए गए। पूछताछ में तीनों ने बताया कि विगत तीन से चार सालों से ये काम कर रहे है।

तीनों की पहचान मूल रूप से मैनपुरी निवासी अभिनय व अमन जो कि सेक्टर-116 में रह रहे है। वहीं तीसरे आरोपी की पहचान सेक्टर-8 नोएडा निवासी केशव चौधरी के रूप में हुई है। जब भी पटाखा प्रतिबंध होता है। दूसरे शहरों से सस्ती दर पर पटाखा खरीदकर लाते है और यहां 10 गुना दाम पर बेचते है। होटल में इसलिए कमरा लेते थे। ताकि किसी को शक न हो। इसके लिए होटल संचालक को भी ज्यादा पैसे देते थे। एक बार पटाखा समाप्त होने पर दोबारा इसी तरह पटाखा लाकर बेचते थे।

एक आदमी हमेशा कमरे पर रहता था और दो ग्राहक ढूंढते थे। हालांकि अधिकांश ग्राहक पुराने ही होते है। पुलिस ने इनके पास से जो पटाखा बरामद किया है। उसे बेचकर 6 लाख रुपए तक ये कमाने वाले थे।

नोएडा में बदमाशों ने पुलिस पर दिन-दहाड़े चलाई गोली, दो घायल

नोएडा, एजेंसी। चेकिंग के दौरान दिन-दहाड़े थाना सूरजपुर पुलिस पर गोली चलाकर भाग रहे दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली बदमाशों के पैर में लगी है। बदमाशों की पहचान दिल्ली एनसीआर के शातिर चोर व लुटेरों के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके पास से चोरी व लूट के 31 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप, तीन सैट ईयरबर्ड व मोटरसाइकिल बरामद की है।डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शनिवार की दोपहर को थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा मोजर बेयर गोलचक्कर के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने तेज गति से आती एक मोटरसाइकिल स्पलेंडर पर सवार दो लोगों को रूकने का इशारा किया गया। जिस पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा फायरिंग करते हुए मोटरसाइकिल को तेजी से चलाते हुए भागने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पीछा करते हुए की गयी जवाबी कार्रवाई में दोनों अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हो गये।

दिल्ली के रोहिणी में सीआरपीएफ स्कूल के पास तेज धमाका, दुकान और कार के शीशे टूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह एक तेज धमाके की आवाज से हड़कंप मच गया। यह धमाका सीआरपीएफ स्कूल के पास हुआ। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की पड़ताल में जुटी है। पुलिस ने धमाके का कारण जानने के लिए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुला लिया है। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

बताया जा रहा है कि धमाका के बाद आसमान में धुएं का गुबार छा गया। पुलिस मौके पर मौजूद है। प्रारम्भिक जांच में दमकल की टीम को मौके से फिलहाल कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। एफएसएल की टीम भी गहनता से इसकी जांच कर रही है। अभी पुलिस ने आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

दुकान और पास खड़ी कार के शीशे टूटे

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज सुबह 07:47 बजे प्रशांत विहार थाने में विस्फोट की सूचना से जुड़ी पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। कॉल करने वाले ने बताया कि सीआरपीएफ स्कूल सेक्टर-14 रोहिणी के पास बहुत तेज आवाज के साथ विस्फोट हुआ है। एसएचओ पुलिस स्टाफ के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और दुर्गंध आ रही थी। पास की दुकान और दुकान के पास खड़ी कार के शीशे भी क्षतिग्रस्त पाए गए। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

इसके बाद क्राइम टीम, एफएसएल टीम और बम निरोधक दस्ते को भी जांच के लिए मौके पर बुला लिया गया। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर है। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

एएनआई ने बताया कि दिल्ली फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, रोहिणी जिले के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर धमाके की खबर मिली है। सुबह करीब 7:50 बजे दमकल विभाग को घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद दमकल की दो गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। हालांकि, अभी तक आग लगने या दीवार को नुकसान पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है। टीम लगातार इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

एक नजर

झुग्गी में लगी आग, तीन झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम जिले के किशनगढ़ स्थित मोतीलाल नेहरू कैंप की एक झुग्गी में शनिवार सुबह आग लग गयी। मामले की सूचना पड़ोसियों ने पुलिस और दमकल की टीम को दी। दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने 20 मिनट में आग पर काबू पाया। वहीं हादसे में तीन लोग झुलस गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि घायल 45 वर्षीय तिलक राम अपने दो बेटों के साथ मोतीलाल नेहरू कैंप, ओल्ड जेएनयू कैंपस, किशनगढ़ इलाके में रहते है। शनिवार सुबह तिलक राम अपने बेटों के साथ अपनी झुग्गी में सो रहे थे। इसी दौरान उनकी झुग्गी में आग लग गई। झुग्गी में तेजी से आग फैली और तिलक राम और उनके दोनों बेटे 22 वर्षीय पंकज और 16 वर्षीय पीयूष झुलस गए। इधर मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों लोगों को झुग्गी से बाहर निकाल कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

बहन का पारिवारिक विवाद सुलझाने के दौरान चलाई गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। सीलमपुर इलाके में बुधवार की रात बहन के पारिवारिक विवाद को सुलझाने पहुंचे भाइयों ने बात बढ़ने पर गोली चला दी। गोली उनकी बहन की जेठानी को लगी। इसके बाद उन्हें जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। पुलिस महिला के चारों भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अस्पताल पहुंचे पुलिसकर्मी ने घायल महिला की पहचान सदमा के रूप में की। जांच में पता चला कि सादिया का निकाह लोहा मार्केट, वेलकम स्थित एल-70 निवासी जीशान से हुआ था। विवाह के बाद से ही सादिया का जीशान और उसके परिवार से विवाद चल रहा है। बुधवार रात को सादिया ने अपने चार भाइयों तफसीर, शाहजाद, गुजरेज और मुंतहिर को ससुराल बातचीत के लिए बुलाया था। जब ये चारों भाई सादिया के ससुराल पहुंचे तो वहां सादिया के ससुराल वालों और सादिया के भाइयों के बीच झगड़ा हो गया। बात बढ़ते- बढ़ते हाथापाई और मारपीट तक पहुंच गई। इसी दौरान मुंतहिर ने गोली चला दी और गोली सादिया की जेठानी सदमा को लग गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केबल चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की मेट्रो यूनिट की सीलमपुर टीम ने मेट्रो के केबल चोरी करने वाले शाहनवाज गिरोह का पदार्फाश किया है। मामले में गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। एक बदमाश पर नौ तो दूसरे पर 14 मामले दर्ज हैं। मेट्रो पुलिस के मुताबिक, बीते एक अक्तूबर को वेलकम मेट्रो स्टेशन के पास केबल काटने और चोरी की एक घटना हुई थी। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ की थी। इस दौरान और ऐसे अन्य मामलों को लेकर दर्ज केस की भी जांच चल रही थी। छानबीन के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश खादर क्षेत्र और सीलमपुर मेट्रो लाइन के पास घूम रहे हैं। इसके बाद शास्त्री पार्क मेट्रो पुलिस टीम ने इन बदमाशों को रोका तो वे भागने लगे। इसपर पुलिस ने इनका पीछा कर धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों में सरिता विहार के मदनपुर खादर निवासी सुमित उर्फ बिल्ला और दीपक शामिल है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे शाहनवाज गैंग के सदस्य हैं। इसके अलावा वे चूहा गैंग के लिए भी काम करते हैं। चोरी करने के लिए ये रस्सियों के सहारे और गिरोह के अन्य सदस्यों की मदद से मेट्रो ट्रैक पर चढ़ते थे। इसके बाद केबल काटकर फरार हो जाते थे। इनके पास से पुलिस ने पांच ब्लेड वाला एक कटर और करीब 100 मीटर की रस्सी बरामद की है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

पुलिस हिरासत से फरार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी के आरएमएल अस्पताल से उड़ीसा पुलिस की हिरासत से फरार बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश मोबाइल टावरों में लगाए जाने वाले रिमोट रेडियो यूनिट (आरआरयू) की चोरी करता था। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, बीते 10 अक्तूबर को उनकी टीम ने आरआरयू चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया और न्यू कर्दम पुरी निवासी 25 वर्षीय आरोपी शहजाद मलिक को गिरफ्तार किया। इसके पास आरआरयू के 13 पार्सल थे। जांच में पांच आरआरयू का सीरियल नंबर उड़ीसा का मिला। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उड़ीसा पुलिस को सूचित कर दिया गया। उड़ीसा पुलिस की एक टीम ने शहजाद मलिक का ट्रांजिट रिमांड हासिल कर उसे उड़ीसा ले जाने से पहले मेडिकल जांच के लिए दिल्ली के आरएमएल अस्पताल ले गई। यहां से आरोपी शहजाद भाग निकला था।

क्या होता है आरआरयू:--रिमोट रेडियो यूनिट (आरआरयू), जिसे आमतौर पर रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के रूप में जाना जाता है। यह ट्रांसीवर है जो आपको वायरलेस बेस स्टेशनों पर लगा मिलता है। ये ट्रांसीवर वायरलेस डिवाइस को वायरलेस नेटवर्क से जोड़ता है, जिससे अन्य चीजों के अलावा टेक्स्ट संदेश भेजना और प्राप्त करना संभव हो पाता है।

कूरियर ब्वॉय बनकर घर में घुसे, बंदूक की नोक पर 2 करोड़ रुपये और गहने लूटे, दिल्ली में दिनदहाड़े वारदात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दिनदहाड़े लूटपाट करने की घटना सामने आई है। कूरियर ब्वॉय बनकर घर में घुसे दो लोगों ने बंदूक की नोक पर पति-पत्नी को बंधक बनाकर 2 करोड़ रुपये और आभूषण लूट लिए। पति ने जब विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर हमला कर घायल कर दिया।

रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में एक सेवानिवृा वैज्ञानिक और उनकी बुजुर्ग पत्नी को उनके घर में बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया गया और लगभग 2 करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण लूट लिए गए। पुलिस ने शनिवार को बताया कि घटना प्रशांत विहार के एफ ब्लॉक की है, जहां शिबू सिंह पत्नी निर्मला के साथ अपने घर में रहते हैं।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार दोपहर जब बुजुर्ग दंपत्ति अपने घर में मौजूद थे, तभी दो लोग खुद को कूरियर ब्वॉय बताकर अंदर घुस आए। घर के अंदर घुसने के बाद उन्होंने शिबू और उसकी पत्नी निर्मला को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया। जब सिंह ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन पर हमला भी कर दिया।

सिंह ने पुलिस को बताया कि आरोपी उनके घर से 2 करोड़ रुपये की नकदी और आभूषण लेकर फरार हो गए। सेवानिवृा वैज्ञानिक ने घटना की जानकारी अपने बेटे को दी, जो दिल्ली में ही अलग रहता है। दोपहर 2:30 बजे सिंह के बेटे ने पीसीआर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक एक टीम घर पहुंची और मौके से सबूत जुटाए। दोनों पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और आगे की जांच शुरू की गई।

अधिकारी ने कहा कि आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कम से कम छह पुलिस टीमें गठित की गई हैं। अधिकारी ने कहा कि जिस तरह से घटना हुई है, पुलिस को किसी अंदरूनी सूत्र या परिवार के किसी जानने वाले की भूमिका पर संदेह है। सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर लिया गया है और पड़ोसियों और परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज किए गए हैं। आगे की जांच जारी है।

राहगीरों से मोबाइल फोन लूटने वाले तीन गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। राहगीरों से मोबाइल फोन लूटने व चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने शनिवार का दबोच लिया। आरोपियों के पास से विभिन्न कंपनियों के 12 मोबाइल फोन और चोरी की बाइक बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि शनिवार को पुलिस टीम को सूचना मिली कि सेक्टर-62 स्थित बड़ा डीपार्क के पास तीन शातिर बदमाश आने वाले हैं। ये लोग राहगीरों से मोबाइल फोन लूट लेते हैं और भीड़भाड़ वाले स्थानों से मोबाइल फोन चोरी कर लेते हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार तीन संदिग्धों को रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगे। टीम ने घेरकर तीनों को दबोच लिया। बाइक की जांच की तो पता चला कि वह चोरी की है। आरोपियों की पहचान जिला मैनपुरी के गांव कटरा रामनगर निवासी पवन, बिहार मोतिहारी के कमरुद्दीन और पश्चिम बंगाल निवासी राहुल हक उर्फ रोहित उर्फ साहिल के रूप में हुई है। तीनों आरोपी वर्तमान में गांव गढ़ी चौखंडी में रहते हैं। जांच में पता चला कि तीनों बदमाश लूटे गए मोबाइल फोन को राह चलते लोगों को सस्ते दाम में बेच देते हैं। आरोपियों के पास से बरामद बाइक उधम सिंह नगर से चोरी की गई थी। इसके संबंध में ऊधम सिंह नगर के के थाना ट्रांजिट कैंप में मुकदमा दर्ज है। पवन व कमरूद्दीन मोबाइल फोन छीनकर राहुल को देते हैं, राहुल मोबाइलों को ठिकाने लगवाता है। यह लोग स्थायी रूप से एक जगह नही रहते है और कुछ दिन बाद अपना कमरा बदल देते हैं।

दिल्ली में रिटायर साइंटिस्ट और उनकी पत्नी को घर में बंधक बना 2 करोड़ की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के रोहिणी इलाके में हथियारों से लैस बदमाशों ने एक रिटायर साइंटिस्ट और उनकी पत्नी को बंधक बनाकर बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि प्रशांत विहार इलाके में एक रिटायर वैज्ञानिक और उनकी पत्नी को बंदूक दिखा कर उन्हें उनके घर में बंधक बनाने के साथ ही करीब दो करोड़ रुपये के जेवरात और नकदी लूटे जाने की वारदात हुई है। यह घटना प्रशांत विहार के एफ ब्लॉक में हुई जहां शिबू सिंह अपनी पत्नी निर्मला के साथ रहते हैं।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर जब बुजुर्ग दंपती अपने घर में मौजूद थे, तभी दो बदमाश खुद को 'कूरियर बॉय' बताते हुए घर में घुस गए। उन्होंने घर के अंदर घुसने के बाद शिबू और उनकी

पत्नी निर्मला को बंदूक दिखा कर बंधक बना लिया। जब शिबू सिंह ने विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट भी की।

शिबू सिंह ने पुलिस को बताया कि आरोपी उनके घर से दो करोड़ रुपये के आभूषण और नकदी लूटकर फरार हो गए। रिटायर वैज्ञानिक ने घटना की जानकारी अपने बेटे को दी, जो दिल्ली में ही अलग जगह रहते हैं। अपराह्न दो बजकर 30 मिनट पर सिंह के बेटे ने पीसीआर कॉल कर पुलिस को इसकी जानकारी दी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना पर एक पुलिस टीम घर पहुंची और मौके से साक्ष्य जुटाए। दोनों पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कम से कम छह पुलिस टीमें गठित की गई हैं। पुलिस को इस वारदात में किसी अंदरूनी व्यक्ति या परिवार के सदस्य की भूमिका होने का संदेह है। सीसीटीवी फुटेज की छानबीन की जा रही है।

ताबड़तोड़ फायरिंग से दहली दिल्ली

जींस कारोबारियों के बीच गोलीबारी, पास खड़ी लड़की घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार शाम को ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग की घटना हुई। इस गोलीबारी में 22 साल की इफरा नाम की एक लड़की घायल हो गई है। उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने वारदात के सिलसिले में कुछ आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली पुलिस की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक, उत्तर पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में कई राउंड फायरिंग की वारदात हुई। इसमें घटनास्थल के पास ही खड़ी इफरा नाम की लड़की को सीने में गोली लगी है। घायल लड़की को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वारदात शनिवार को शाम 4:42 बजे राजा मार्केट वेलकम में हुई। पुलिस टीम को मौका-ए-वारदात से कई राउंड खाली कारतूस मिले हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों ओर से करीब 17 राउंड गोलियां चलीं। सूचना मिलने पर सीनियर अधिकारी एएसआई विशाल घटनास्थल पर पहुंचे। शुरूआती जांच के मुताबिक, जींस के थोक दुकानदारों के बीच पैसों को लेकर शुरू हुआ झगड़ा गोलीबारी में तब्दील हो गया। घटना में शामिल दोनों पक्षों में से किसी को गोली नहीं लगी है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

खाली और जिंदा कारतूस के साथ ही मौके से धातु के टुकड़ों समेत कुल 17 चीजें बरामद की गई हैं। घटना के संबंध में कुछ संदिग्धों को पकड़ा गया है।

नोएडा में बच्ची से डिजिटल रेप पर जमकर बवाल

पैरेंट्स ने घेरा स्कूल, प्रिंसिपल सहित दो निलंबित

नोएडा, एजेंसी। नोएडा सेक्टर-27 स्थित निजी स्कूल में पढ़ने वाली साढ़े तीन साल की बच्ची से डिजिटल दुष्कर्म के मामले में स्कूल प्रबंधन ने शनिवार को प्रिंसिपल और हेड मिस्ट्रेस को निलंबित कर दिया। मामले में दोनों की लापरवाही सामने आई है। सुबह 100 से ज्यादा अभिभावकों के स्कूल के सामने विरोध-प्रदर्शन के बाद प्रबंधन ने यह निर्णय लिया। अभिभावकों से स्कूल प्रबंधन ने बातचीत भी की। स्कूल में बच्ची से हुई डिजीटल दुष्कर्म की घटना के बाद से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों में घटना को लेकर काफी आक्रोश है।

अभिभावकों को अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं मामले में स्कूल की तरफ से लापरवाही करने की बात सामने आई। इसके बाद घटना से आक्रोशित 150 से ज्यादा अभिभावक शनिवार को सुबह आठ बजे स्कूल के गेट के सामने आ गए। प्रबंधन की तरफ से कोई भी मिलने के लिए तैयार नहीं हुआ और स्कूल के गेट को बंद कर दिया गया। इससे नाराज अभिभावक स्कूल के सामने जमकर प्रदर्शन और हंगामा करने लगे। अभिभावकों ने बताया कि जब वह लोग सुबह स्कूल के सामने पहुंचे तो वहां पर वह लोग प्रिंसिपल और प्रबंधन के अन्य लोगों से बातचीत करने की मांग रहे थे। मिलने के लिए नहीं पहुंचने पर वे सभी लोग सेक्टर 27 स्थित डीएम ऑफिस पहुंच गए। इस दौरान उनकी डीएम मनीष कुमार वर्मा से बातचीत हुई। उन्होंने मामले की जानकारी अन्य अधिकारियों से ली। डीआईओएस और एडीसीपी नोएडा के साथ अन्य अधिकारी पहुंचे।

अभिभावकों ने घटना में शामिल सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। स्कूल के सभी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे को लगाने और उसका एक्सेस अभिभावकों को देने की मांग की। जूनियर विंग में सभी जगहों पर महिला कर्मचारियों को तैनात करने के साथ ही कई अन्य मांगे की। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि अभिभावकों और प्रबंधन के बीच शांति पूर्ण बातचीत कराई गई। स्कूल प्रबंधन सभी मांगें पूरी करने के लिए तैयार है।

सुरक्षा व्यवस्था एक हफ्ते में चाक-चौबंद होगी

मामले में अभिभावकों के साथ दोपहर दो बजे प्रबंधन के साथ हुई बैठक के दौरान मामले में प्रिंसिपल और हेड मिस्ट्रेस की तरफ से लापरवाही करने पर उनको तत्काल निलंबित कर दिया गया। प्रबंधन की तरफ से एक हफ्ते के अंदर स्कूल में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए कहा गया है। सभी मांगें पूरी करने की बात कही है।

मामले की जांच के लिए डीएम ने कमेटी बनाई

मामले में आक्रोशित परिजनों की शिकायत के बाद डीएम मनीष कुमार वर्मा ने पूरी घटना की जांच के लिए सिटी मजिस्ट्रेट और डीआईओएस के अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी बनाई है। मामले में कमेटी की जांच के बाद मामले में जिनकी भूमिका निकल कर सामने आएगी। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीआईओएस धर्मवीर सिंह ने कहा, अभिभावकों के साथ बैठक के दौरान प्रबंधन की तरफ से उनके द्वारा उठाई गई सभी मांगों को एक हफ्ते के अंदर पूरी करने के लिए कहा गया है। मामले में शुरूआती जांच में प्रिंसिपल और हेड मिस्ट्रेस की लापरवाही सामने आने के बाद प्रबंधन ने निलंबित कर दिया है।

डेबिट कार्ड बदलकर ग्राहकों के खाते से रुपये निकालने वाला गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। धोखाधड़ी कर लोगों के डेबिट कार्ड बदलकर खाते से रुपये निकालने वाले शातिर आरोपी को थाना सेक्टर-63 पुलिस ने शनिवार को दबोच लिया। आरोपी के पास से आठ डेबिट कार्ड और 1560 रुपये बरामद हुए हैं।

इस मामले में दो आरोपियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि आरोपी को बहलोलपुर अंडरपास से एफएनजी गोल चक्कर की तरफ जाने वाले सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पहचान गाजियाबाद के लोनी निवासी मोहम्मद उमर उर्फ मोमदी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ सात अक्तूबर को छिजारसी स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम पर आए ग्राहक का कार्ड बदलकर उसके खाते से 15 हजार 800 रुपये निकाल लिए थे। इससे पूर्व इस गिरोह के दो आरोपी खुर्शीद व आरिफ को बदले गए करीब 100 डेबिट कार्ड एवं धोखाधड़ी कर निकाले गए 7,060 रुपये बरामद करते हुए जेल भेजा गया था। एक अन्य वांछित आरोपी जुबैर उर्फ जब्बर की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि उमर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर भोले-भाले लोगों की एटीएम बूथ पर पैसे निकालने में मदद के बहाने उनका पासवर्ड देख लेता थ। इसके बाद धोखे से डेबिट कार्ड बदल लेता था फिर किसी अन्य एटीएम बूथ पर जाकर उसके डेबिट कार्ड से रुपये निकाल लेता था।

गाजियाबाद के सोसाइटी में गार्ड की गुंडागर्दी, फ्लैट खाली कर रहे दंपति को लाठियों से पीटा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद जिले के क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र की एक सोसायटी में किराए का फ्लैट खाली कर रहे एक दंपति पर गार्ड और रखरखाव कर्मचारियों ने कथित तौर पर बेरहमी से हमला किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

पुलिस के अनुसार, सोसायटी में अपने किराए के फ्लैट से बाहर जा रहे प्रदीप गुप्ता और उनकी पत्नी को निकास द्वार के बाहर गार्ड एवं रखरखाव कर्मियों ने लाठियों से पीटा। यह हमला गुप्ता द्वारा सात महीने के रखरखाव शुल्क का भुगतान न करने के बाद हुआ। पुलिस ने हमले के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वेब सिटी की एसीपी लिपि नगाइच ने बताया कि मामले में शिवपाल, शिवेंद्र और सुनील को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

वायरल वीडियो में वर्दीधारी गार्ड और सादे कपड़ों में अन्य लोग गुप्ता के परिवार पर लाठियों से हमला करते और उन्हें गाली देते नजर आ रहे हैं। पुलिस बाकी संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश में जुटी है।

नोएडा प्राधिकरण के 200 करोड़ एफडी फ्रॉड का 25 हजारी इनामी हवाला कारोबारी गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा विकास प्राधिकरण के 200 करोड़ के एफडी फ्रॉड के मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी हवाला कारोबारी को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम राहुल है। राहुल ने ही प्राधिकरण के खातों से तीन करोड़ 90 लाख रुपये नोएडा के अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराए थे। इसके बाद गुजरात और चंपारण के हवाला कारोबारी की मदद से 10 फीसदी कमीशन देकर रकम निकलवाई गई थी। इस गिरोह के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपी का असली नाम गौरव शर्मा है, जो काफी समय से अपनी पहचान छिपा कर राहुल मिश्रा के रूप में जाना जा रहा था। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि नोएडा पुलिस लंबे समय तक फरार रहने के चलते गिरफ्त में आए आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। उसके पास से एक आधार कार्ड, दो पैन कार्ड, एक डेबिट कार्ड, सात क्रेडिट कार्ड और मोबाइल बरामद हुआ है।

आशंका जाहिर की जा रही है कि आरोपी के मोबाइल में फ्रॉड संबंधी कई अहम जानकारी मिलेंगी। नोएडा प्राधिकरण के सीएफओ मनोज कुमार की शिकायत पर 200 करोड़ के फ्रॉड के मामले में कोतवाली सेक्टर 58 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की गई थी। नोएडा पुलिस ने बीते माह गिरोह के सरगना मनु को भी गिरफ्तार किया था।

गाजियाबाद में पूर्व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह की बेटी पर कोठी कब्जाने का आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह की बेटी योगजा सिंह पर आनंद प्रकाश ने गंभीर आरोप लगाए हैं। गाजियाबाद निवासी हाईटेक इंस्टीट्यूट के चेयरमैन आनंद प्रकाश आनंद प्रकाश का आरोप है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी को मकान सं0 आर-2/27, राज नगर, थाना कवि नगर जिला गाजियाबाद को किराए पर दिया गया था। जो कि जुलाई 2014 से किराए पर रह रहे थे। किराये की एवज में 25,000 रू0 प्रति माह अग्रिम 18 माह तक महावार किराया द्वारा बैंकर चेक योगजा सिंह के खाते से भुगतान किया गया। इसके बाद एक लाख रूपया किराया प्रति माह इस शर्त के साथ कि हर 11 महीने बाद 10 प्रतिशत किराये में बढोतरी के साथ तय किया गया था। जनवरी 2017 तक कोई किराया नहीं दिया गया। 14 फरवरी 2017 व 15 फरवरी 2017 को कुल 33,50,000 किराये की मद में मेरे खाते में ट्रांसफर किया गया था। तत्पश्चात सितम्बर 2023 तक फिर कोई किराया अदा नहीं किया गया। बार-बार कहने के बावजूद 12 अक्टूबर 2023 को एक करोड़ रुपए किराया दिया गया। इसके बाद अगस्त 2024 तक कोई किराया नहीं दिया गया। आरोप है कि बार-बार कहने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं की गई और ना मेरे मकान को खाली किया गया। जिस पर मजबूरन मैंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से किराया वसूली एवं मकान खाली कराने हेतु सक्षम न्यायालय में वाद दायर कर नोटिस भिजवा दिया गया। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद बताए हैं।

छात्रा के अपहरण का प्रयास करने वाला मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में शुक्रवार को दिनदहाड़े बाइक पर छात्रा के अपहरण की कोशिश करने वाले बदमाश को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हुआ है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है और उसने गलत काम करने की नीयत से छात्रा को धोखे से बाइक पर बैठाया था। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी जुटा रही है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार की सुबह रोजा जलालपुर गांव में रहने वाली एक छठी कक्षा की छात्रा घर से पैदल स्कूल जा रही थी। गोल्डन वैली स्कूल के समीप एक बाइक सवार ने धोखे से छात्र को अपनी बाइक पर बैठा लिया था। जब छात्रा स्कूल गेट पर पहुंची तो आरोपी ने बाइक नहीं रोकी और स्पीड बढ़ा दी थी। इस पर छात्र चलती बाइक से नीचे कूद गई थी। इस घटना में छात्रा को चोट लगी है। छात्रा के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। शनिवार की दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी बिसरख क्षेत्र में एक निमार्णाधीन बिल्डिंग में छिपा हुआ है। पुलिस की टीम ने घेराबंद की तो आरोपी ने पुलिस को देखकर अंदर से फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हुआ है। पुलिस ने घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती करवाया है। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त आरोपी की बाइक भी बरामद की है।

साइबर ठगी में पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी समेत दो काबू

आरोपी स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी के लिए उपलब्ध कराते थे बैंक खाते

- अब तक गुरुग्राम पुलिस द्वारा अलग-अलग साईबर ठगी के मामलों में कुल 20 बैंक कर्मचारियों को किया जा चुका है गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने के आरोपी में पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी समेत दो आरोपियों को काबू करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा अब तक साईबर ठगी के मामलों में 20 बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान ने शनिवार को बताया कि ये आरोपी अलग-अलग मामले में गिरफ्तार किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 19 जून 2024 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना साईबर अपराध पूर्व गुरुग्राम में एक लिखित शिकायत देकर कहा था कि स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर करीब 1 करोड़ 20 लाख 70 हजार की उसे ठगी की गई है। इस शिकायत पर थाना में सबन्धित केस दर्ज करके जांच शुरू की गई।

सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दीवान के नेतृत्व में निरीक्षक नवीन कुमार प्रबंधक थाना साइबर अपराध पूर्व की टीम ने दो आरोपियों को काबू किया गया। आरोपियों की पहचान रोहित शर्मा निवासी मोहल्ला गोविंद दास अलीगंज जिला एटा (उत्तर-प्रदेश) व विश्वास कुमार निवासी बजरिया रामलाल कायमगंज जिला फरूर्खाबाद (उत्तर-प्रदेश) के रूप में हुई।

आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी विश्वास कुमार पंजाब नेशनल बैंक कायमगंज (उत्तर-प्रदेश) शाखा में डिप्टी मैनेजर के पद पर काम करता है। उपरोक्त अभियोग की ठगी में प्रयोग किया गया बैंक खाता आरोपी रोहित शर्मा के नाम था। यह बैंक खाता आरोपी रोहित शर्मा तथा आरोपी विश्वास कुमार (बैंक कर्मचारी) ने मिली भगत करके एक फर्म के नाम पर झूठे पते पर खुलवाया था। फिर वही बैंक खाता आरोपी रोहित शर्मा ने एक लाख रुपये में अन्य आरोपी को साईबर ठगी के लिए उपलब्ध करवाया था। पुलिस टीम द्वारा इस केस में आरोपियों सहित अब तक कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एक नजर

होटल से लाखों के पटाखे सहित तीन गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-11 स्थित स्थित एक होटल लाखों के पटाखे के साथ तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह अवैध रूप से होटल में कमरा बुक कर पटाखे का भंडारण कर रहे थे। इन्हें दीपावली के मौके पर बेचने की तैयारी थी। पुलिस ने होटल मालिक को भी मामले में आरोपी बनाया है। वह अभी फरार चल रहा है। डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि शनिवार को सूचना मिली कि सेक्टर-11 स्थित होटल में कुछ लोग ठहरे हुए हैं। उनके पास अवैध आतिशबाजी है। ये लोग दीपावली के अवसर पर अवैध रूप से पटाखे बेचने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर मौके से जिला मैनपुरी के गांव जगतपुर निवासी अभिनय, अमन और बिहार के जिला दरभंगा निवासी केशव चौधरी को पकड़ा। इनके पास से पांच बोरों में भरे हुए लाखों रुपये की अवैध आतिशबाजी बरामद हुई। ये लोग दीपावली के अवसर पर अवैध रूप से जिले में आतिशबाजी बेचने की तैयारी कर रहे थे। इन्होंने होटल में कमरा लेकर अवैध रूप से आतिशबाजी का भंडारण किया था। जांच में पता चला है कि यहां पर और आतिशबाजी की सप्लाई होनी थी। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि बरामद आतिशबाजी को उन्होंने सस्ते दामों पर खरीद था। अब दीपावली के मौके पर आठ से दस प्रतिशत अधिक दाम पर बेचकर मुनाफा कमाते। इसके लिए उन्होंने होटल मालिक अमित से होटल में एक कमरा किराए पर ले रखा था। पुलिस का दावा है कि होटल मालिक को इस बात की जानकारी थी कि ये लोग आतिशबाजी बेच रहे हैं। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं फरार चल रहे होटल मालिक को पुलिस तलाश कर रही है।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन के पास छात्र का मोबाइल फोन लूटा

नोएडा, एजेंसी। थाना सेक्टर-63 में एक छात्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनका कीमती आईफोन लूट लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सेक्टर-62 स्थित जेपी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र युवराज छाबड़ा ने पुलिस को बताया है कि वह इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन से कश्मीरी गेट जाने के लिए मेट्रो ट्रेन पकड़ने के लिए जा रहे थे। जब वह सेक्टर-63 पहुंचे वहां पर काफी भीड़ थी। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने उनका कीमती मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित ने बदमाश को पकड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह भाग गए। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गाजियाबाद में पत्नी ने किसी और से की बात तो सिर में पत्थर मारकर पति ने ले ली जान

गाजियाबाद, एजेंसी। थाना मसूरी पुलिस ने कुशलिया गांव के चांद को पत्नी चांदनी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चांद ने बताया कि उसे शक था कि उसकी गैर मौजूदगी में चांदनी किसी और मर्द से बात करती है। उससे यह बर्दाश्त नहीं हुआ, इसलिए उसकी जान ले ली। चांद ने बताया कि उसने 13 अगस्त की सुबह करीब पांच बजे चांदनी के सिर में नुकीला पत्थर देकर मारा था। वह लहूलुहान हो गई थी। उसे लगा कि मर गई है। कपड़ा डालकर उसके शरीर को ढक दिया था। बच्चे सो रहे थे। हमला कर वह भाग गया था। उसे डर था कि पुलिस आते ही उसे पकड़ लेगी। आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही थी। दबिश के दौरान आरोपी हत्थे चढ़ गया और उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

मशीन की चपेट में आने से हुई महिला की मौत

फरीदाबाद, एजेंसी। आईएमटी इलाके में स्थित फाइन टर्म नाम की कंपनी में शनिवार को एक महिला की मशीन की चपेट में आने से गला काटने के चलते दर्दनाक मौत हो गई। मामले को छुपाने का कंपनी के संचालकों ने काफी प्रयास किया और किसी पुलिस या प्रशासन को खबर नहीं दी। पीड़ित के बेटे मोनू विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी मां राजकुमारी विश्वकर्मा पिछले कई महीने से कंपनी में काम करती थी। उसकी मां ने उसे बताया था कि कंपनी में लोहे का काम होता है और जबरन उससे ग्राइंडर चलाने के लिए मशीन पर बैठाया जाता है और उससे जबरन ग्राइंडर चलाया जाता है।

मोनू के मुताबिक आज उसकी मां के साथ ग्राइंडर चलाते समय ही कोई घटना घटी, इसके चलते उसकी मां का गला कटा। कंपनी संचालकों ने उन्हें जानकारी भी नहीं दी और चुपके से उसकी मां के शव को वीक अस्पताल की मुर्दा घर में भिजवा रहे थे कि किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा उसे इसकी जानकारी मिली। इसके बाद वह घटना स्थल पर पहुंचा, लेकिन कंपनी के कर्मचारी व अधिकारी कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। मोनू का गुस्सा कंपनी के संचालकों के प्रतीक नजर आया और मोनू ने सारी बातें मीडिया के सामने खुलकर रखी। मोनू ने कहा कि जब वह कंपनी में आया, तो उन्हें कुछ नहीं बताया गया था। वह चाहता है, हादसे की वजह के बारे में पुलिस छानबीन करें और दोषियों के खिलाफ उचित एक्शन ले। मोनू के मुताबिक हो ना हो उसकी मां से जबरन ग्राइंडर चलवाया और ग्राइंडर ही उसकी मां के गले में लगा। जिसके चलते उसकी मां की मौत हुई है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी सौतेले पिता को साढ़े 3 साल की कैद

गुरुग्राम, एजेंसी। एक सौतेले पिता द्वारा नाबालिग बच्चे से छेड़छाड़ करने के मामले में अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए साढ़े 3 साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर जुमार्ना भी लगाया गया है। जानकारी के अनुसार 21 सितंबर 2020 को थाना सेक्टर-56 गुरुग्राम में एक शिकायत 15 वर्षीय नाबालिक लडकी के साथ छेड़छाड़ करने व जान से मारने की धमकी देने की दर्ज की गई। शिकायत पर थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व आईपीसी की सम्बन्धित धाराओं के तहत केस दर्ज किया। इस मामले में आरोपी सौतेले पिता को 22 सितंबर 2020 को काबू कर लिया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद गहनता से जांच करते हुए उसके खिलाफ साक्ष्य व गवाह जुटाए। गुरुग्राम पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल की गई चार्जशीट व एकत्रित किए गए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। एडिशनल सेशन जज अश्वनी कुमार की अदालत ने दोषी सौतेले पिता को 10 पोक्सो एक्ट एवं 18 पोक्सो एक्ट के तहत साढ़े 3 साल की सजा कठोर कारावास व 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। धारा 506 के तहत दो साल का कठोर कारावास व 5 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है।

लूटपाट करने के तीन आरोपियों को 10 साल का कठोर कारावास

गुरुग्राम, एजेंसी। यहां की एक अदालत ने कार में सवारी के रूप में लोगों को बिठाकर उनसे लूटपाट करने के तीन आरोपियों को 10 साल का कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उन पर जुमार्ना भी लगाया है। पुलिस के अनुसार 22 जनवरी 2019 को एक व्यक्ति ने थाना सदर में शिकायत देकर कहा था कि वह गुरुग्राम में राजीव चौक पर धारुहेड़ा जाने के लिए खड़ा था। इसी दौरान वहां एक कार आकर रुकी। कार में ड्राइवर समेत 3 व्यक्ति सवार थे। सभी ने कहा कि वे भी धारुहेड़ा जाएंगे। वह भी काम में बैठ गया। थोड़ी दूर जाते ही पहले से कार में सवार लोगों ने हथियार दिखाकर उससे उसका मोबाइल फोन व पर्स छीन लिया। उसके एटीएम का पिन पूछकर कार्ड से नकदी निकाल ली।

सम्पादकीय

आतंकवाद पर अकेली आवाज

आतंकवाद, अलगाववाद, चरमपंथ के साथ-साथ संवाद, सहयोग और कारोबार नहीं चल सकते। यह भारत की बुनियादी सोच है। बेशक हम पाकिस्तान के संदर्भ में यह सोच दोहराते रहे हैं, लेकिन इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' का मंच था, जिस पर पाकिस्तान और चीन के अलावा कुछ और राष्ट्र भी थे। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किसी भी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान को 'आतंकीस्तान' करार दे दिया। दुनिया जानती है कि आतंकवाद का पर्याय कौनसा देश है। 'शंघाई सहयोग संगठन' के जरिए जिस क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक मदद, आपसी कारोबार, ऊर्जा, डिजिटल सहयोग, क्षेत्रीय एकजुटता आदि की अपेक्षाएं की जा रही हैं, वे आतंकवाद के रहते हुए संभव नहीं हैं, लिहाजा इस अंतरराष्ट्रीय संगठन का मकसद नाकाम होता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने चौतरफा विकास के लिए वास्तविक साझेदारी, शांति और स्थिरता के महत्व पर अपना पक्ष रखा। यदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आतंकवाद जारी रहता है, तो कमोबेश देशों के बीच शांति, स्थिरता और ईमानदारी की स्थितियां बरकरार नहीं रह सकतीं। तो फिर इस संगठन का औचित्य ही क्या है? इस संगठन की स्थापना 15 जून, 2001 को चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान द्वारा शंघाई में की गई थी। समय के साथ इसका विस्तार हुआ और भारत, पाकिस्तान, ईरान सरीखे देश जुड़ते गए। इस बार पाकिस्तान में 'शंघाई सहयोग संगठन' की शासनाध्यक्ष परिषद की 23वीं बैठक हुई थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की तरफ से शिरकत की, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी अन्य कार्यों में व्यस्त थे। जयशंकर जैसे भाव 2015 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने, पाकिस्तान की जमीं पर ही, व्यक्त किए थे, लेकिन इन 9 सालों में कुछ भी बदलाव नहीं हुआ। पाकिस्तान का सीमापार आतंकवाद आज भी जारी है और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तथा आम सभा में पाकिस्तान के आतंकवाद का बचाव करता रहा है, लिहाजा चीन भी आतंकवाद में भागीदार है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को भी खारिज किया है, क्योंकि यह गलियारा पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। यह कश्मीर भी बुनियादी तौर पर भारत का ही है। आज भी हमारे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद सक्रिय है। घटनाएं हर रोज हो रही हैं। इस गलियारे के जरिए आतंकवाद की भी मदद की जा सकती है। हालांकि 'शंघाई सहयोग संगठन' की बैठक के अंत में जारी एक साझा विज्ञप्ति में रूस, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान आदि देशों ने चीनी संपर्क पहल, 'वन बेल्ट वन रोड', के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की है। साफ है कि चीन पाक आर्थिक गलियारे के मुद्दे पर इस संगठन के अधिकतर देश भारत के निर्णय के विरोधी हैं। तो शंघाई सहयोग संगठन में भारत की मौजूदगी के फायदे क्या हैं? संगठन के लगभग सभी देशों के साथ, पाकिस्तान को छोड़ कर, भारत के व्यापारिक, सांस्कृतिक, राजनयिक रिश्ते हैं। शंघाई के कारण उनमें इजाफा नहीं हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकवाद जैसे मुद्दे पर भारत अकेली आवाज है, लेकिन उसकी गूंज 'आसमानी' है। भारत ने आतंकवाद को कई और वैश्विक मंचों पर उठाया है। उसे साझा घोषणा-पत्र में शामिल किया गया है। यदि वर्षों से भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत बंद है, तो उसकी बुनियादी वजह आतंकवाद ही है। भारत के प्रति पाकिस्तान का दुश्मनी और नफरत वाला व्यवहार किसी से छिपा नहीं है। जब शंघाई जैसे मंच पर आतंकवाद को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, पाकिस्तान आतंकवाद को अब भी कबूल नहीं करता, तो संबंधों में सुधार कैसे संभव है? यदि शंघाई के मूल रचनाकार चीन की भूमिका को देखा जाए, तो दक्षिण एशिया में तानाशाही और आतंकवाद के प्रति वह बिल्कुल भी गंभीर या ईमानदार नहीं है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता देनी चाहिए। यह वास्तविक साझेदारी पर आधारित होना चाहिए, न कि एकतरफा एजेंडे पर। यदि भरोसे की कमी है अथवा पर्याप्त सहयोग नहीं है, मित्रता कम हो गई है और अच्छे पड़ोसी की भावना गायब है, तो आत्मावलोकन करना चाहिए। बहरहाल बैठक के दौरान युद्ध, कोरोना महामारी और जलवायु परिवर्तन सरीखे मुद्दों पर भी बातचीत हुई, लेकिन जरूरत बुनियादी ईमानदारी की है, ताकि देशों के संबंध सुधर सकें।

मलेरिया से भी गंभीर है डेंगू का दंश

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

भारत सहित दुनिया के देशों में डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित दुनिया के देश डेंगू को लेकर अब गंभीर हो गए हैं। इसका बड़ा कारण है कि दुनिया के 130 देश डेंगू की जद में आ चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस समय 4 अरब लोग डेंगू से प्रभावित हो रहे हैं और 2050 तक यह आंकड़ा पांच अरब को पार कर जाएगा। भारत की बात की जाए तो देश के लगभग हर प्रदेश में डेंगू के नित नए केस सामने आ रहे हैं। भले ही यह माना जाता हो कि डेंगू के कारण मौत की दर बहुत कम है और सामान्यतः डेंगू सामान्य पेरासिटामोल और डॉक्टरों के सलाह के अनुसार पेय पदार्थ एलोरा ज्यूस आदि लेने से ठीक हो सकता है। हालांकि कोल्ड ड्रिंक की सलाह नहीं दी जाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि डेंगू के कारण तेजी से प्लेटरेट में कमी आती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि प्लेटरेट से भी ज्यादा गंभीर होता है ब्लड प्रेशर में कमी आना है। प्लेटरेट के साथ ही ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखना जरुरी हो जाता है। यह ध्यान रखना अधिक जरुरी हो जाता है कि ब्लड प्रेशर लो नहीं होना चाहिए। डेंगू का असर सीधे लीवर पर पड़ता है और ब्लड के अंतःस्त्राव की समस्या हो जाती है। जो अपने आप में गंभीर होती है। उल्टी होने से डिहाईड्रेशन की समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। दरअसल एक समस्या यह है कि डेंगू का पता भी तीन चार दिन बाद पता चलता है। इसलिए सावधानी सबसे बड़ी जरुरी हो जाती है। खैर सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि डेंगू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन अब अधिक गंभीर हो गया है।

गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि इंडोनेसिया में ड्रोन से सर्वे कर मच्छरों के लार्वा की खोज करके नष्ट करने का यह परिणाम रहा है कि डेंगू के मामलों में 70 फीसदी तक कमी आई है। डेंगू से बचाव के लिए डेंगू मच्छर का खात्मा करने वाले एंटीडेंगू मच्छर को दुनिया के करीब 14 देशों में छोड़े जाने का निर्णय किया गया है। वैज्ञानिकों द्वारा प्रयोगशाला में एंटीडेंगू मच्छर का सफल प्रयोग किया जा चुका है और ब्राजील में बड़ा केन्द्र बनाते हुए बोल्वाशिया मच्छर का उत्पादन आरंभ कर दिया गया है। हांलाकि किन किन 14 देशों में एंटी डेंगू मच्छरों को छोड़ा जाएगा यह निर्णय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अभी किया जाना है। पर एक बात साफ हो चुकी है कि डेंगू पर समय रहते रोक अभियान चलाया जाना आवश्यक है। क्योंकि डेंगू अब किसी देश की सीमा में बंधा नहीं रह गया है। देश दुनिया की सरकारों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सामने डेंगू बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। दरअसल डेंगू की गंभीरता को देखते हुए ही गैर सरकारी वर्ल्ड मास्कीटों प्रोग्राम के तहत एंटीडेंगू मच्छर विकसित किया गया है। 2023 में इंडोनेशिया में इनका प्रयोग किया जा चुका है और इनके प्रभाव से 95 प्रतिशत तक सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

हालांकि 2011 में आस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में लगातार चार बरसाती सीजन में एंटीडेंगू मच्छर का प्रयोग किया गया और दावा किया गया कि वहां चार बरसातों में एक भी डेंगू का मामला सामने नहीं आया। इन मंच्छर में एक बैक्टिरिया वोल्वाशिया पापीएंटिस डाला गया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि इससे बीमारी वाले मच्छरों को वायरस फैलाने से रोकने में सफल होंगे। अब तक के परीक्षणों में यह खरे भी उतरे हैं। डेंगू की भयावहता को इसी से समझा जा सकता है कि 16 मई को भारत में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाने लगा है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से लोगों में अवेयरनेस जागृत की जाती है। दरअसल डेंगू एडीज एजिप्टी प्रजाती की मादा मच्छर के कारण तेजी से फैलता है। बरसात के दिनों में यह मच्छर तेजी से फैलता है।

महाराष्ट्र, झारखंड में हरियाणा दोहराया जाएगा

-एस. सुनील-

> कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार का गठबंधन यानी महा विकास अघाड़ी लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर इस उम्मीद में है कि उसकी जीत हो जाएगी। लेकिन लोकसभा चुनाव का नतीजा एक अपवाद था। उसमें भी अगर वोट के आंकड़े देखें तो भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन यानी महायुति को कांग्रेस गठबंधन के मुकाबले सिर्फ तीन फीसदी कम वोट मिले हैं। यानी वोट का अंतर सिर्फ तीन फीसदी है और उतने पर ही तकनीकी कारणों से सीटों का अंतर दोगुने का हो गया। अगर आंकड़ों की बात करें तो लोकसभा में भाजपा को सिर्फ नौ सीटें मिलीं, जबकि पिछली बार उसे 23 सीटें मिली थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के चुनाव प्रचार में कहा था कि हरियाणा कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश साबित होगा। उनकी बात सौ फीसदी सही साबित हुई। जिस तरह से मध्य प्रदेश में कांग्रेस हारी वैसे ही हरियाणा में जीत का पूरा माहौल बनाने और नैरेटिव सेट करने के बावजूद कांग्रेस हार गई क्योंकि वह न तो हरियाणा की 10 साल की डबल इंजन सरकार के प्रति बने प्रो इन्कम्बैंसी को समझ पाई और न कांग्रेस विरोध की अंतधार्रा को समझ पाई। जम्मू कश्मीर में भी नेशनल कॉन्फ्रेंस की जीत हुई है, कांग्रेस तो बुरी तरह से हारी ही है। उसकी सीटें 12 से घट कर छह रह गईं और भाजपा की 25 से बढ़ कर 29 हो गईं। असल में इस वास्तविकता को ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक नजरअंदाज कर रहे हैं कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकारों के खिलाफ अपवाद के तौर पर ही कहीं एंटी इन्कम्बैंसी यानी सत्ता विरोधी माहौल पैदा हो रहा है। ज्यादातर जगहों पर प्रो इन्कम्बैंसी यानी सत्ता समर्थन की लहर पैदा हो रही है, जिससे एनडीए की सरकारें बार बार सत्ता में वापसी करती हैं।

इस बात को आंकड़ों के आधार पर भी समझा जा सकता है। केंद्र में ही देखिए तो 50 साल के बाद ऐसा हुआ कि कोई सरकार लगातार तीसरी बार जीती। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी की। 1977 में कांग्रेस जब पहली बार हार कर सत्ता बाहर हुई तो उसके बाद किसी भी पार्टी की सरकार लगातार तीसरी बार नहीं लौटी। वह रिकॉर्ड पीएम नरेंद्र मोदी ने तोड़ा। इसी तरह अनेक राज्यों में देखा जा सकता है। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की ज्यादा बहुमत और ज्यादा वोट के साथ सरकार बनी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, असम, त्रिपुरा, गोवा, मध्य प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड यानी 12 राज्यों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने लगातार दो बार या उससे ज्यादा बार सरकार बनाई। इसके मुकाबले कुछ प्रादेशिक पार्टियों की तो सरकारें वापस लौटी हैं लेकिन कांग्रेस ने पिछले 10 साल में किस भी राज्य में लगातार दो बार सरकार नहीं बनाई है। इसका मतलब है कि कांग्रेस की जहां भी सरकार बनती है वहां पांच साल में उसके खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल बन जाता है और लोग उसे हरा देते हैं। एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी है कि दिल्ली जैसे अपवाद को छोड़ दें तो भाजपा लगातार 10 साल तक किसी भी राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी नहीं रही है। यानी वह जहां एक बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनती है वहां वह पांच साल में सत्ता में वापसी करती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि इसकी मिसाल हैं।

इन दोनों आंकड़ों को प्रकट करने का उद्देश्य यह बताना था कि झारखंड में भाजपा पांच साल से मुख्य विपक्षी पार्टी है और इस बार उसके वहां सत्ता में वापसी करने का समय है तो महाराष्ट्र में भाजपा के गठबंधन की सरकार है, जिसके खिलाफ कोई सत्ता विरोधी माहौल नहीं है क्योंकि आमतौर पर एनडीए सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी नहीं होती है। इसलिए वहां भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगी। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि 2019 में भी भाजपा चुनाव नहीं हारी थी। पांच साल तक यानी 2014 से 2019 तक सरकार चलाने के बाद जब भाजपा और शिव सेना गठबंधन चुनाव में गया तब कहा जा रहा था कि एंटी इन्कम्बैंसी है और एनडीए चुनाव हार जाएगा। लेकिन इसका उलटा हुआ। एनडीए को 161 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 105 और शिव सेना ने 56 सीटें जीतीं। दोनों को मिला कर 42 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। लेकिन चुनाव के बाद श्री उद्धव ठाकरे ढाई ढाई साल की सत्ता के लिए अड़ गए, जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और कांग्रेस, एनसीपी ने जनादेश को धोखा देकर श्री उद्धव ठाकरे के साथ सरकार बनाई। महाराष्ट्र की जनता उस धोखे का भी इस बार बदला लेगी।

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार का गठबंधन यानी महा विकास अघाड़ी लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर इस उम्मीद में है कि उसकी जीत हो जाएगी। लेकिन लोकसभा चुनाव का नतीजा एक अपवाद था। उसमें भी अगर वोट के आंकड़े देखें तो भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन यानी महायुति को कांग्रेस गठबंधन के मुकाबले सिर्फ तीन फीसदी कम वोट मिले हैं। यानी वोट का अंतर सिर्फ तीन फीसदी है और उतने पर ही तकनीकी कारणों से सीटों का अंतर दोगुने का हो गया। अगर आंकड़ों की बात करें तो लोकसभा में भाजपा को सिर्फ नौ सीटें मिलीं, जबकि पिछली बार उसे 23 सीटें मिली थीं। यानी उसकी 14 सीटें कम हो गईं लेकिन उसको वोट का नुकसान सिर्फ 1.66 फीसदी का हुआ था। 2019 में भाजपा को 27.84 फीसदी वोट मिले थे और 2024 में 26.18 फीसदी वोट मिले। ध्यान रहे भाजपा ने पिछले चार चुनावों में 25 से 27 फीसदी का अपना वोट प्रतिशत बचाए रखा है।

जहां तक शिव सेना की बात है तो वह भी महाराष्ट्र के लोगों ने दिखा दिया कि असली शिव सेना श्री एकनाथ शिंदे की है। लोकसभा चुनाव में श्री उद्धव ठाकरे की शिव सेना 21 सीटों पर लड़ कर सिर्फ नौ सीट जीत पाई, जबकि एकनाथ शिंदे की शिव सेना ने 15 सीटें लड़ कर सात पर जीत हासिल की। ठाकरे के मुकाबले शिंदे की शिव सेना का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा। शिव सैनिक पूरी तरह से उनके साथ रहे। उद्धव ठाकरे को कांग्रेस और एनसीपी का वोट मिला, जिसमें एक बड़ा हिस्सा उनके मुस्लिम वोट आधार का है। तभी हैरानी नहीं है कि श्री उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के नेता स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व का रास्ता छोड़ कर मुस्लिम तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रहे हैं। जैसा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री उद्धव ठाकरे कांग्रेस और एनसीपी की सोहबत में औरंगजेब को अपना नायक बना रहे हैं। सो, तुष्टिकरण की राजनीति चाहे उद्धव ठाकरे करें या शरद पवार करें या कांग्रेस करे उसका कोई फायदा महाराष्ट्र में नहीं होना है। महाराष्ट्र में श्री एकनाथ शिंदे की भाजपा समर्थित सरकार ने ह्यमाझी लड़की बहिन योजनाङ्ख के तहत महिलाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना देना शुरू किया है। लाड़ला भाई योजना के तहत युवाओं को छह से 10 हजार रुपए महीना दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को पांच लाख रुपए तक की मुफ्त चिकित्सा की घोषणा की है। किसानों के लिए रबी की फसलों पर एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। एकीकृत पेंशन की योजना आई है। ऐसी तमाम सकारात्मक योजनाओं के दम पर भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने सत्ता के समर्थन की अंतधार्रा पैदा की है।

उधर झारखंड में पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के भ्रष्ट और परिवारवादी शासन से लोग ऊबे हुए हैं।

स्वर्णऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

-प्रह्लाद सबनानी-

किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39, 687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62, 835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79, 218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं।

यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17, 500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है।

और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं। स्वर्ण ऋण की राशि आसान किश्तों में जमा करानी होती है, अतः स्वर्ण लेने वाले नागरिकों पर कोई बहुत अधिक दबाव भी नहीं पड़ता है। उक्त कारणों के चलते भारत में हाल ही वर्षों में स्वर्ण ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

चूंकि बैंकों एवं गैर गैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किया जा रहे स्वर्ण ऋण में वृद्धि दर अतुलनीय रही है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण ऋण स्वीकृति करने सम्बंधी नियमों के कठोर अनुपालन के लिए गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को हाल ही में चेताया है ताकि इन बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण स्वीकृत करने में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सके तथा स्वर्ण ऋण के खाते गैर निष्पादनकारी आस्तियों (एनपीए) में परिवर्तित नहीं हों। यदि बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वर्ण ऋण सम्बंधी नियमों का अनुपालन अक्षरशः किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते का गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तितत होना सम्भव नहीं है। हां, यदि असली स्वर्ण के स्थान पर नकली स्वर्ण के विरुद्ध ऋण स्वीकृत किया जाता है तो स्वर्ण ऋण खाते की गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित होने की सम्भावना बन जाती है। इसलिए स्वर्ण ऋण प्रदान करते समय बैंकों को ऋण असली है इसकी पक्की जानकारी होना आवश्यक है।

खेलों में भी किशोरियों की समुचित भागीदारी होनी चाहिए

-अमृता कुमारी-

खेल समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इससे शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है. लेकिन इसमें लड़कियों की भागीदारी और उन्हें मिलने वाले अवसरों की बात करें तो यह एक जटिल विषय है. हालांकि पिछले कुछ दशकों में खेल प्रतियोगिताओं में लड़कियों के भाग लेने की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है, इसके बावजूद उनके सामने अभी भी कई बाधाएं हैं जो उन्हें इस क्षेत्र में पूरी तरह से शामिल होने से रोकती है. पारंपरिक रूप से पितृसत्तात्मक समाज ने खेल को पुरुष-प्रधान गतिविधियों तक सीमित कर रखा है. लड़कियों को शारीरिक रूप से कमजोर मानकर उन्हें इससे दूर रखने का प्रयास किया जाता है. आज भी न केवल ग्रामीण क्षेत्रों बल्कि शहरी इलाकों के स्लम बस्तियों में रहने वाली किशोरियों को भी खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने से वंचित रखा जाता है. उन्हें प्रोत्साहित करने की जगह उनका मनोबल तोड़ा जाता है.

ऐसी ही एक स्लम बस्ती बिहार की राजधानी पटना स्थित गर्दनीबाग इलाके में आबाद बघेरा मोहल्ला है. जहां रहने वाली अधिकतर किशोरियों को खेलने के अवसर नहीं मिलते हैं. यहां रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी शिवानी, जो गर्दनीबाग स्थित एक सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं में पढ़ती है, बताती है कि "उसके स्कूल में बहुत सारी लड़कियां खेलों में भाग लेना चाहती हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं दिया जाता है. खुद स्कूल के ही प्रधानाध्यापक और अन्य शिक्षक लड़कियों को खेलने की अनुमति नहीं देते हैं." वह कहती है कि 'मेरी जैसी कई किशोरियां हैं जो खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना और इस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहती हैं, लेकिन हमें अवसर नहीं दिया जाता है. हालांकि लड़कों को स्कूल ओर से खेलों में भाग लेने दिया जाता है, परंतु हम लड़कियों को इससे वंचित रखा जाता है.' इसी स्कूल में पढ़ने वाली 16 वर्षीय रूपा कहती है कि खेल के मामले में लड़कों और लड़कियों के बीच बहुत अधिक भेदभाव किया जाता है. लड़कों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जबकि हम लड़कियां इसमें भाग लेना चाहती हैं तो हमें यह कह कर हतोत्साहित किया जाता है कि तुम्हारे बस का यह खेल नहीं है. रूपा की बातों को आगे बढ़ाते हुए उसकी क्लासमेट सपना कहती है कि 'कौन सा ऐसा खेल है, जो हम लड़कियां खेल नहीं सकती हैं? हमें एक बार अवसर देकर तो देखें, हमारी क्षमता का उन्हें पता चल जायेगा.'

पटना हवाई अड्डे से महज 2 किमी दूर और बिहार हज भवन के ठीक पीछे स्थित इस मोहल्ला की आबादी लगभग 700 के करीब है. यहां अधिकतर अनुसूचित जाति समुदाय के लोग रहते हैं, जबकि कुछ ओबीसी परिवार के भी घर हैं. यहां रहने वाले अधिकतर परिवार के पुरुष दैनिक मजदूरी या ऑटो चलाने का काम करते हैं. यहां तक पहुंचने के लिए एक खुला नाला के ऊपर बने लकड़ी के एक कमजोर, अस्थाई और चरमराते हुए पुल से होकर गुजरना होता है. बारिश के दिनों में यह नाला उफनता हुआ स्लम बस्ती में प्रवेश कर जाता है. राजधानी में रहने के कारण यहां की किशोरियों को शिक्षा के अवसर तो मिल जाते हैं लेकिन खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए उन्हें अभी भी पितृसत्तात्मक समाज द्वारा बनाई गई कई बाधाओं का सामना करना होता है. इनमें सबसे बड़ी बाधा लड़कियों के प्रति समाज की नकारात्मक और पारंपरिक सोच है. इस संबंध में बस्ती की रहने वाली 17 वर्षीय काजल कहती है कि केवल स्कूल ही नहीं, बल्कि घर से भी खेल गतिविधियों में भाग लेने से रोका जाता है. यदि हम चाहते भी हैं तो यह कह कर मना कर दिया जाता है कि यदि खेल में किसी प्रकार की चोट लग गई तो भविष्य में शादी में बाधा आएगी. माता-पिता उत्साह बढ़ाने की जगह खेल गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहते हैं.

यहां रहने वाली दसवीं की छात्रा प्रीति कहती है कि 'मैं स्कूल में कबड्डी की बहुत अच्छी खिलाड़ी रही हूं. स्कूल के अंदर होने वाली खेल प्रतियोगिता में भाग लेती रही हूं. लेकिन जब भी स्कूल से बाहर जाकर या जिला स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने की बात आई, मुझे हर बार घर से इसकी इजाजत नहीं मिली. पिता ने यह कह कर मना कर दिया कि इसमें चोट लगने की संभावना रहती है. यदि तुम चोटिल हो गई या कुछ अन्य शारीरिक नुकसान हुआ तो शादी में अड़चन आएगी. जबकि ऐसा होने की संभावना बहुत कम रहती है. मैंने कई बार उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन हर बार यह कहकर मुझे मना कर दिया गया कि खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना लड़कों का काम होता है. लड़कियां घर का कामकाज सीखें यही उनके लिए बहुत अच्छा रहेगा. जबकि यह सोच पूरी तरह से गलत है. कुश्ती हो या फुटबॉल, क्रिकेट हो या हॉकी, कोई ऐसा खेल नहीं है जिसमें लड़कियों ने अपनी कामयाबी के झंडे गाड़े न हो. यदि हमें भी अवसर मिले तो हम भी अपने राज्य और जिला का नाम रौशन करने की क्षमता रखते हैं.

हमारे देश में अक्सर परिवार और समाज ने लड़कियों को पढ़ाई और घरेलू कार्यों तक सीमित रखा है. उन्हें खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए बहुत अधिक प्रोत्साहित नहीं किया जाता है. पहले की तुलना में अब लड़कियों का खेलों में भागीदारी के अवसर बढ़ने लगे हैं. कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों और राष्ट्रीय स्तर पर सरकार ने खेल में लड़कियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. खेलों इंडिया के माध्यम से इस क्षेत्र में कई किशोरियों ने अपनी पहचान बनाई है. जिसकी वजह से ओलंपिक और राष्ट्रमंडल जैसे अंतरराष्ट्रीय खेलों में भारतीय महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है. इसके अतिरिक्त विभिन्न खेलों में महिला लीग की शुरूआत कर किशोरियों को खेल के मंच उपलब्ध कराये जा रहे हैं. पीटी ऊषा, सायना नेहवाल, मिताली राज, मैरी कॉम और निकहत जरीन जैसी खिलाड़ियों ने इस धारणा को मजबूत किया है कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराये जाएं तो वह भी देश के नाम गोल्ड मैडल जीत सकती हैं.

भारत में जैसे-जैसे महिला खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफलता पाई है, वैसा ही इसे लेकर लोगों का नजरिया भी बदलने लगा है. अब कई परिवार अपनी बेटियों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं. लेकिन यह अभी भी काफी हद तक शहरी क्षेत्रों और उच्च शिक्षा संस्थानों तक ही सीमित है. आज भी ग्रामीण और बघेरा मोहल्ला जैसी शहरी स्लम बस्तियों की किशोरियों को खेलों में भाग लेने के लिए बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ रहा है. जहां संसाधनों के अभाव के साथ साथ सामाजिक दबाव और परंपरागत सोच भी एक बड़ी बाधा है. इसके अतिरिक्त खेलों में लैंगिक असमानता बहुत बड़ी चुनौती है. जिसे समाप्त करके ही किशोरियों के लिए खेलों में अवसर उपलब्ध कराये जा सकते हैं. इस बात में कोई दो राय नहीं कि खेलों में लड़कियों को अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कई सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है. यह लड़कों के लिए जितना महत्वपूर्ण है उतना ही लड़कियों के लिए भी जरूरी है. समानता और समर्थन के बिना खेलों में किशोरियों की भागीदारी पूरी तरह से विकसित नहीं हो सकती है. इसके लिए सरकार और खेल संगठनों के साथ साथ समाज को भी आगे बढ़कर उनके लिए समुचित अवसर और वातावरण उपलब्ध कराने होंगे.

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटिश सिंगर लियाम पायने की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत

ब्यूनस आयर्स,एजेंसी। पॉप बैंड वन डायरेक्शन के पूर्व सदस्य और सिंगर लियाम पायने की

तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई. तीसरे मंजिल के कमरे की बालकनी से गिरने के बाद वो मृत पाए गए हैं. हालांकि, अभी मौत के कारणों का पता नहीं चला है और पुलिस की जांच जारी है. पुलिस की ओर से एख बयान जारी कर कहा गया है कि उन्हें ड्रग्स और शराब के नशे में एक शख्स के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस होटल पहुंची थी. होटल मैनेजर ने कहा कि उसने होटल के पीछे से तेज आवाज सुनी और जब पुलिस वहां पहुंची तो उन्होंने पाया कि एक आदमी अपने कमरे की बालकनी से गिरा हुआ था. आपातकालीन कर्मियों ने 31 वर्षीय ब्रिटिश गायक की मौत की पुष्टि की है.एमटीवी ने एक्स पोस्ट में कहा, आज लियाम पायने के दुखद निधन के बारे में जानकर हमें गहरा दुख हुआ है. इस कठिन समय के दौरान उनके परिवार, प्रियजनों और प्रशंसकों के साथ हैं. लियाम जेम्स पायने अंग्रेजी गायक थे. बैंड वन डायरेक्शन के सदस्य के रूप लियाम चर्चित हुए थे।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू बोला– कनाडा को भारत विरोधी जानकारियां दीं, ट्रूडो को भारतीय उच्चायोग का खुफिया नेटवर्क बताया, 3 साल से उनके संपर्क में हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने बुधवार को कनाडाई में कहा कि उसने कनाडा को भारत के खिलाफ जानकारियां दी हैं। उसका आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस पिछले 2 से 3 सालों से कनाडाई जस्टिन ट्रूडो के साथ संपर्क में है। उसने भारतीय उच्चायोग के खुफिया नेटवर्क के बारे में ट्रूडो को जानकारी दी है। पन्नू फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है।उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है।रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को जगमीत सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि हम भारतीय राजनयिकों और पर प्रतिबंध की मांग करते हैं। एक आतंकवादी संगठन है, जो कनाडा और अन्य देशों में हिंसक गतिविधियों को अंजाम देता है।ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने उनका इस्तीफा मांगा भारत और कनाडा के विवाद के बीच ट्रूडो की लिबरल पार्टी के एक सांसद ने अगले साल कनाडा में होने वाले चुनाव से पहले ट्रूडो का पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा मांगा है। सांसद सीन केसी ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि देश के लोग अब और सहन नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अब ट्रूडो के जाने का समय आ गया है, लोगों का धैर्य टूट रहा है। जून में हुए उपचुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद पिछले हफ्ते ही हार की समीक्षा को लेकर एक बैठक हुई थी। इससे पहले जून में भी एक और सांसद वेन लॉन्ग ने ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की थी।

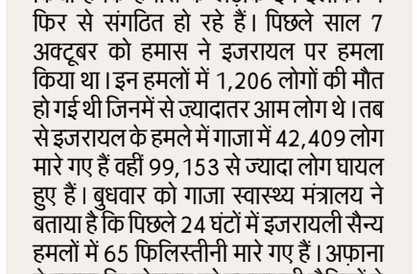

गाजा में दिल दहला देने वाला मंजर, सड़क पर शवों को नोच खा रहे कुत्ते,अब तक 42 हजार मौतें

फिलिस्तीन, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से भी ज्यादा का समय बीत चुका है।पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के इजरायल पर हमले के बाद से गाजा में संघर्ष जारी है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते नजर आ रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाए जाने के निशान हैं। फारेस अफाना ने सीएनएन को बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने उत्तरी गाजा और जबालिया क्षेत्र में हवाई और जमीनी हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायली सेना का कहर जारी है।अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है।वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था।इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें से ज़्यादातर आम लोग थे।तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बुधवार को गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।अफ़ाना ने बताया कि सोमवार को इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी द्वारा संचालित एक राहत शिविर केंद्र में खाने की तलाश कर रहे भूखे लोगों पर गोलीबारी की है। उन्होंने कहा, स्थिति बदतर होती जा रही है।

यूक्रेन के लिए दूर की कौड़ी बना नाटो, क्यों नहीं मिल रही सदस्यता; कहां अटका पेच

कीव, एजेंसी। दो साल से नाटो में सदस्यता का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए तैयार नहीं है। यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता दूर की कौड़ी होती जा रही है। दो साल से सदस्यता लेने का प्रयास कर रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। नाटो ने एक बार फिर से यह स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन को अपने संगठन में शामिल करने के लिए फिलहाल तैयार नहीं है। नाटो के सहयोगी देशों ने जेलेंस्की से उनकी विक्ट्री प्लान के बारे में और जानकारी मांगी है, जो रूस के साथ चल रहे युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से बनाई गई है।

जेलेंस्की जल्द चाहते हैं नाटो की सदस्यता : जेलेंस्की की योजना इस पर केंद्रित है कि नाटो उनकी सदस्यता आवेदन पर तेजी से कार्य करे। यूक्रेन द्वारा यह आवेदन दो साल पहले रूस के आक्रमण के बाद नाटो से संरक्षण मांगने के तहत किया गया था। दरअसल नाटो की सबसे बड़ी विशेषता उसका सामूहिक सुरक्षा गारंटी है, जिसका उल्लेख संगठन के अनुच्छेद 5 में कहा गया है। यह 32 सदस्य देशों द्वारा किए गए राजनीतिक वचनबद्धता है कि यदि किसी सदस्य देश की संप्रभुता या क्षेत्र पर हमला होता है, तो सभी सदस्य उसकी सहायता करेंगे। लेकिन यह प्रावधान यूक्रेन जैसे सहयोगी देशों पर लागू नहीं होता। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नाटो महासचिव मार्क रूटे ने जेलेंस्की के विक्ट्री प्लान पर किसी स्वागत योग्य प्रतिक्रिया नहीं दी और कहा कि वे और सहयोगी इस पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि यूक्रेन कब नाटो में शामिल हो सकता है, सिर्फ यह कहा कि यूक्रेन एक दिन सदस्य बनेगा।

नाटो का यूक्रेन को दिलासा : रूटे ने कहा, इस योजना में कई राजनीतिक और सैन्य मुद्दे हैं जिन पर हम यूक्रेन के साथ चर्चा करेंगे। हमें यह देखना होगा कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। फिलहाल नाटो का ध्यान यूक्रेन को और अधिक क्षेत्रीय जीत दिलाने और भविष्य की शांति वार्ताओं के लिए उसकी स्थिति को मजबूत करने पर है। उल्लेखनीय है कि यह वक्त यूक्रेन के लिए काफी कठिन है। यूक्रेनी सैनिक डोनेट्स्क क्षेत्र में बेहतर तैयार और सुसज्जित रूसी बलों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं।

यूक्रेन के लिए फिलहाल नाटो की सदस्यता नहीं चाहता अमेरिका : नाटो के सदस्यता की मांग यूक्रेन 16 सालों से कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, नाटो के बड़े सदस्य देश जैसे अमेरिका और जर्मनी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यूक्रेन को सदस्यता देने से वे परमाणु शक्ति संपन्न रूस के साथ एक व्यापक युद्ध में घसीटे जा सकते हैं। इसलिए यह देश तब तक यूक्रेन को नाटो में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता।

बेरूत में मारे गए आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर, शव बरामदः ईरान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने वरिष्ठ कमांडर अब्बास निलफोरूशन के मौत की पुष्टि करते हुए कहा है कि शव बरामद कर लिया गया है। निलफोरूशन पिछले महीने इजरायली हवाई हमले में हिज्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के साथ कथित बैठक के दौरान मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, आईआरजीसी ने शुक्रवार को सेपाह न्यूज पर कहा कि सर्च टीम द्वारा निरंतर प्रयासों के बाद निलफोरुशन का शव बरामद कर लिया गया है। आईआरजीसी ने शानदार जनरल की शहादत पर संवेदना व्यक्त की। साथ ही संकेत दिए कि उनके पार्थिव शरीर को ईरान लाया जाएगा। हालांकि कब इसे लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है। बता दें कि निलफोरूशन 27 सितम्बर को इजरायली अटैक में मारे गए थे। तब इजरायल ने बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियाह में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर बड़े पैमाने पर टार्गेट अटैक किया था। इस हमले के दौरान नसरल्लाह के साथ-साथ हिजबुल्लाह के भी कई बड़े नेता मारे गए थे। अटैक के वक्त निलफोरूशन और नसरल्लाह के बीच बैठक चल रही थी। उल्लेखनीय है कि 1 अक्टूबर को आईआरजीसी ने इजरायल के रणनीतिक स्थानों पर करीब 180 मिसाइलें दागीं थी।

कितना बदल गया बांग्लादेश! मुक्ति संग्राम और मुजीब से जुड़े दिनों पर सारी छुट्टियां रद्द

ढ़ाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगस्त महीने में तख्तापलट हो गया था। इस दौरान खूनखराब हुआ तो तत्कालीन पीएम शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था और भारत आ गई थीं। तब से वह यहीं पर निर्वासित जिंदगी जी रही हैं। उनकी सत्ता से बेदखली के बाद नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने कमान संभाल रखी है। वह भले ही अर्थशास्त्री हैं और दुनिया भर में उनका नाम है, लेकिन वह बांग्लादेश को पाकिस्तान के एजेंडे पर आगे बढ़ाते दिख रहे हैं। यही वजह है कि अब बांग्लादेश में मुक्ति संग्राम और उसके नायक मुजीबुर रहमान से जुड़े दिनों पर होने वाली छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। माना जा रहा है कि इस तरह बांग्लादेश की सरकार का वैचारिक झुकाव पाकिस्तान की ओर बढ़ रहा है। वही पाकिस्तान जिससे अलग होकर बांग्लादेश का गठन हुआ था। बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार, भेदभाव के आरोप तत्कालीन पाकिस्तान सरकार पर लगे थे। इसी के विरोध में आंदोलन भड़का था, जिसे बांग्ला मुक्त संग्राम का नाम मिला था। अंत में 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इसमें भारत ने भी मदद की थी। मुजीबुर रहमान को उस आंदोलन का नायक माना जाता है। यही वजह थी कि उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर बांग्लादेश में छुट्टी होती रही है। अब बांग्लादेश सरकार ने इन छुट्टियों को रद्द कर दिया है। कुल 8 राष्ट्रीय अवकाशों को मोहम्मद यूनुस सरकार ने रद्द कर दिया है। इनमें 7 मार्च और 15 अगस्त शामिल हैं, जिन्हें मुक्त संग्राम से जोड़ा जाता है। इन छुट्टियों को रद्द करने का फैसला हाल ही में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया था। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा।

भारत के खिलाफ ठोस सबूत नहीं; भारत बोला- रिश्ते खराब करने के लिए कनाडाई पीएम ही जिम्मेदार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने माना है कि पिछले साल जब उन्होंने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के शामिल होने का आरोप लगाया था, तब उनके पास केवल खुफिया जानकारी थी। कोई ठोस सबूत नहीं था। रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। ट्रूडो सरकार पहले दावा करती रही है कि उसने निज्जर हत्याकांड से जुड़े सबूत भारत को दिए थे। वहीं, भारत कहता रहा है कि कनाडा ने इस हत्या से जुड़ा कोई सबूत नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रुडो के बयान के बाद गुरुवार (17 अक्टूबर) को कहा कि दोनों देशों के संबंध खराब होने के पीछे कनाडा के पीएम ही जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर एक जांच समिति बनाई गई थी। ट्रूडो बुधवार को इसमें पेश हुए। इसमें उन्होंने कहा- मुझे फाइव आइज देशों से खुफिया जानकारी मिली थी, जिससे साफ हो गया था कि भारत, कनाडा की धरती पर उसके नागरिक की हत्या में शामिल है।

मेरा मकसद सिर्फ भारत सरकार से बातचीत करना था। जब मैंने ऐसा किया तो उन्होंने हमसे सबूत मांगे। तब हमने बताया कि हमारे पास खुफिया जानकारी है, फिलहाल कोई ठोस सबूत नहीं हैं। इसलिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी एयर फोर्स ने बुधवार रात यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की। अलजजीरा ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के हवाले से बताया कि क्क 2 स्पिरिट बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों पर पर सटीक हमला किया गया।

ऑस्टिन ने कहा कि जमीन के भीतर हूती विद्रोहियों ने घातक हथियार छुपा रखे थे। इसका इस्तेमाल वे दूसरे देशों पर हमला करने और लाल सागर और अदन की खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाने के लिए करते थे। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ये हमले राष्ट्रपति बाइडेन के निर्देश पर किए गए। उन्होंने कहा कि हमारे जवाब से साफ है कि दुश्मन अपने हथियारों को जमीन के कितने ही भीतर छुपाकर रख ले, हम उसे ढूंढ़कर बर्बाद कर देंगे। हूती विद्रोहियों ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। ये पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में बी-2 स्पिरिट बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। इसके पहले अमेरिकी सेना यमन में फाइटर जेट का इस्तेमाल करती रही है। अमेरिका ने एक महीने पहले ही में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर की तैनाती हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर की थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बी-22 स्टील्थ बॉम्बर को अमेरिका का सबसे घातक हथियार माना जाता है। कोल्ड वॉर के दौरान अमेरिका और रूस खतरनाक हथियारों की रेस में लगे थे। तब अमेरिका में इसे तैयार किया गया था। साल 1987 से 2000 तक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का निर्माण हुआ। अमेरिका ने 132 यूनिट बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बनाने का टार्गेट रखा था मगर 21 का ही निर्माण किया जा सका। दो बी-22 विमान 2008 और 2022 में हादसे का शिकार हो गए थे। अमेरिका के पास अब सिर्फ 19 बी-22 स्टील्थ बॉम्बर बचे हैं। बी-22 विमान फाइटर जेट की तुलना में ज्यादा बमों को ले जाने में सक्षम है। यह परमाणु हथियार भी ले जा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक बजट ज्यादा होने की वजह से अब बी-22 विमान नहीं बनाया जाता है। अमेरिका ने आज तक किसी भी देश को यह विमान नहीं बेचा है। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकाने पर हमला क्यों किया इजराइल 7 अक्टूबर से ही गाजा पर हमला कर रहा है। इसके जवाब में हूती विद्रोही समंदर में इजराइल के सहयोगी देशों के जहाजों को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका बोला-भारत पन्नू मामले की जांच में सहयोग कर रहा, कनाडा ने जिस पर हत्या की साजिश का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार को कहा कि खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर हो रही जांच में भारत की तरफ से सहयोग किया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि भारतीय अधिकारी हमें अपनी जांच का अपडेट दे रहे हैं और हम अपनी जांच का अपडेट उन्हें दे रहे हैं। पन्नू मामले में जांच को लेकर भारतीय टीम वॉशिंगटन में है।

मिलर ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में ये भी बताया कि जिस शख्स पर अमेरिका में पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, अब वह भारत सरकार का कर्मचारी नहीं है। दरअसल, अमेरिका ने पहले आरोप लगाया था कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में आरोपी निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक कर्मचारी का सहयोगी है। इन्होंने मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी।

14 अक्टूबर को अमेरिका ने कहा था कि भारत ने पन्नू की हत्या की कोशिश करने के आरोपी खुफिया अधिकारी को गिरफ्तार किया है। वॉशिंगटन पोस्ट में इस अधिकारी का नाम विक्रम यादव बताया गया था। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। भारत सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को क्क के तहत आतंकी घोषित किया था। पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की नागरिकता है। पन्नू की हत्या की साजिश का मामला पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। निखिल पर अमेरिका में केस चलाया गया, जहां उसने खुद को निर्दोष बताया था। **पन्नू को मारने के लिए दिए गए थे 83 लाख रुपए :** अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, पन्नू को मारने साजिश पिछले साल सितंबर में क्क मोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। चार्जशीट के मुताबिक, भारत के एक पूर्व अफसर ने निखिल गुप्ता से पन्नू की हत्या की साजिश करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। यादव ने पन्नू के बारे में भारतीय एजेंट निखिल गुप्ता को जानकारी भेजी, जिसमें उसके न्यूयॉर्क में होने के बारे में पता चला था। इसके बाद निखिल गुप्ता ने पन्नू को मारने के लिए एक एजेंट से संपर्क किया। हालांकि, साजिश कामयाब होने से पहले ही निखिल गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया गया था।

हिजबुल्लाह की इस ताकत ने उड़ा दिए हैं इजरायल के होश

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल एक तरफ गाज़ा पर ताबड़तोड़ हमले किए पड़ा है और दूसरी तरह लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमले किए जा रहा है. हिजबुल्लाह पर हमले होते हुए करीब एक महीना होने जा रहा है. ऐसे में हिजबुल्लाह भी न तो झुकता दिख रहा है और न ही इजरायल की ओर से कोई नरमी बरती जा रही है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर इजरायल को शांत करने की कोशिशें आरंभ हो गई हैं. वहीं, इजरायल की ओर से अभी तक गाज़ा या कहें हमास को लेकर कोई ढिलाई करने के मूड में नहीं है. लेकिन, दूसरी तरफ लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों को लेकर कुछ शर्तों के साथ हमले रोकने की बात को तैयार है. आखिर ऐसा क्यों है. इसके पीछे जो वजह निकलकर सामने आ रही है वह जानकर अमेरिका से लेकर कई दमदार देश हैरान हैं. इजरायली नौसेना की चिंता येरुसेलम पोस्ट में छपी खबर के मुताबिक इज़रायली नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि हिज़्बुल्लाह के पास अभी भी एक कार्यरत नौसैनिक शाखा है जिसके पास जहाज-रोधी मिसाइलें और संभावित नौसैनिक बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं. यह डर इजरायल की नौसेना को सता रहा है. हिजबुल्लाह के पास नौसेना की ताकत बता दें कि आईडीएफ ने पिछले दशक में हिज़्बुल्लाह की नौसैनिक क्षमताओं पर बारीकी से नज़र रखी है. इसका अधिकांश ध्यान रूस निर्मित सुपरसोनिक याखोंट मिसाइल पर था. एक आकलन के मुताबिक, मिसाइल रूस से सीरिया को बेची गई थी और फिर हिजबुल्लाह को हस्तांतरित कर दी गई थी. ईरान की मदद से नौसेना तैयार कहा जा रहा है कि हिजबुल्लाह ने ईरान के समर्थन से एक गुप्त नौसैनिक इकाई तैयार की है. इसने काफी तैयारी कर ली है लेकिन, इजरायल समय-समय पर इसे कम करता रहा है. इस बात पर इजरायल लगातार नज़र बनाए रखे था और धीमें-धीमें अपनी तैयारी भी करता आया है. हिजबुल्लाह की नौसैनिक इकाई के पास पोर्ट पर हमले की क्षमता है और इजरायल की नौसेना को इसी बात का डर सताता है. इजरायल के पास तकनीक रूप से उन्नत मिसाइलें और राडार सिस्टम हैं. इजरायल की एक और चिंता यह है कि यमन में हूती आतंकियों के पास भी कुछ मिसाइलें हो सकती हैं।

फ्रेंकफर्ट-मुंबई विस्तारा फ्लाइट में बम की धमकी, पाकिस्तान के एयर स्पेस में मिला इमरजेंसी सिग्नल, 4 दिन में विमान में बम की 20वीं धमकी

फिलिस्तीन, एजेंसी। विस्तारा की फ्रेंकफर्ट-मुंबई फ्लाइट के-028 में गुरुवार को बम होने की धमकी मिली। इसके बाद फ्लाइट की मुंबई में आपात लैंडिंग कराई गई। यह धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई। जब अधिकारियों ने बम की धमकी की सूचना क्रू मेंबर्स को दी, विमान पाकिस्तान के एयर स्पेस में उड़ान भर रहा था। फ्लाइट में 147 यात्री सवार थे। लैंडिंग के बाद विमान को आइसोलेशन में ले जाया गया, जहां सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। इससे पहले बुधवार को सात और फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इसमें इंडिगो की चार, स्पाइसजेट की 2 और अकासा की एक फ्लाइट शामिल है। पिछले 4 दिन में कुल 20 विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। 15 अक्टूबर को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। उसे कनाडा डायवर्ट कर इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया था। जांच में इन फ्लाइट्स में बम की खबर झूठी निकली थीं। हालांकि, सभी एयरपोर्ट्स पर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

धमकी भरे मैसेज भेजने वालों की पहचान- एविएशन मिनिस्ट्री : एयरलाइंस को धमकी भरे मैसेज भेजने के मामले में बुधवार को एविएशन मिनिस्ट्री ने संसदीय समिति को जवाब दिया। मिनिस्ट्री ने कहा कि

आरोपियों की पहचान कर ली गई है और एक्शन लिया जा रहा है। साथ ही कहा कि और ज्यादा जानकारी इकट्ठा की जा रही है और ऐसे कई मामलों पर कदम उठाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सभी साइबर यूनिट्स को धमकी देने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया है। इनमें से ज्यादातर अकाउंट विदेश से चल रहे हैं। 15 अक्टूबर- एक शख्स ने धमकी भेजी थी, सभी झूठी निकलीं मंगलवार को 7 फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थी। धमकी मिलने वाली फ्लाइट्स में एअर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जाने वाला विमान भी शामिल था। इसके बाद उसे कनाडा डायवर्ट कर दिया गया। प्लेन को कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया। यहां यात्रियों और उसमें मौजूद सामान की जांच की गई थी। दिनभर में 7 फ्लाइट्स को धमकी मिलने की वजह से सिक्योरिटी एजेंसियों ने कई एयरपोर्ट्स पर काउंटर टेररिस्ट ड्रिल किए थे। जांच में पता चला है कि सभी धमकियां एक ही शख्स की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भेजी गई थीं।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सीएसआर खर्च में पीएम इंटर्नशिप योजना शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) दिशानिदेर्शों में संशोधन किया है। अब सीपीएसई के सीएसआर में सामान्य विषय या थीम के रूप में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को शामिल किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वर्तमान में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कोष का उपयोग करने में थीम या विषय-आधारित दृष्टिकोण का अनुपालन करते हैं। सीपीएसई को अपने सीएसआर कोष का 60 प्रतिशत किसी विशेष वर्ष के लिए निर्धारित 'थीम' पर खर्च करना होता है।

एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'हमने 2024-25 के लिए सीपीएसई द्वारा सीएसआर गतिविधियों के लिए सामान्य विषय के रूप में 'स्वास्थ्य और पोषण' में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को जोड़ा है। सीपीएसई इस वित्त वर्ष में अपने सीएसआर कोष का 60 प्रतिशत 'स्वास्थ्य और पोषण' और प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर खर्च करेंगे।'

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने इस महीने की शुरूआत में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत कंपनियों के साथ-साथ इंटर्न का भी नामांकन शुरू किया है। पांच साल में इस योजना के तहत एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। पायलट परियोजना के तहत 12 महीने की इंटर्नशिप दो दिसंबर से शुरू होगी। इसपर 800 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में 1.25 लाख युवाओं को इसके तहत लाने का लक्ष्य है।

पीएम इंटर्नशिप योजना की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2024-25 के बजट में की थी। इस योजना के तहत शीर्ष 500 कंपनियां 21-24 वर्ष की आयु के युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेंगी और साथ ही जीवन बीमा सुरक्षा भी प्रदान करेंगी। एक वर्ष के लिए 5,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता के अलावा, इंटर्न के लिए 6,000 रुपये का एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। मासिक सहायता में सरकार द्वारा 4,500 रुपये और कंपनी द्वारा अपने सीएसआर कोष से 500 रुपये दिए जाएंगे।

अधिकारी ने आगे कहा कि जैसे-जैसे निजी क्षेत्र इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने में आगे बढ़ेगा, सीपीएसई को भी इस योजना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। योजना के तहत 25 अक्टूबर तक पोर्टल पर पंजीकरण कराया जा सकता है और 26 अक्टूबर को आवेदकों का नाम छांटा जाएगा। इसके बाद 27 अक्टूबर से सात नवंबर तक कंपनियों द्वारा उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इसके बाद चयनित उम्मीदवारों के पास पेशकश (ऑफर) स्वीकार करने के लिए आठ से 15 नवंबर तक का समय होगा। एक उम्मीदवार को अधिकतम तीन पेशकश दी जाएंगी।

एक नजर

विदेशी मुद्रा भंडार 10.8 अरब डॉलर गिरकर 690.4 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी कमी होने से 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.8 अरब डॉलर गिरकर 690.4 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 701.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 11 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.5 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 602.1 अरब डॉलर पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 9.8 करोड़ डॉलर घटकर 65.7 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 8.6 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि दो करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गया।

देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल मोटरसाइकिल सीबी 300एफ लॉंच, कीमत 1.70 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने ग्रीन मोबिलटी समाधानों को गति देते हुये आज देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल मोटरसाइकिल सीबी 300एफ लॉंच करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 1.70 लाख रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक सवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई यह भारत की पहली 300सीसी फ्लेक्स-फ्यूल मोटरसाइकिल है। ग्राहक अब अपने नजदीकी बिगविंग डीलरशिप पर 2024 होंडा सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल बुक कर सकते हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक, अध्यक्ष और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, 'होंडा में, हमारा लक्ष्य 2050 तक अपने सभी उत्पादों और कॉर्पोरेट गतिविधियों के लिए कार्बन तटस्थता हासिल करना है। टिकाऊ उत्पाद नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, आज हमने सीबी300 एफ का नया फ्लेक्स-फ्यूल संस्करण पेश किया, जो उत्सर्जन को कम करने और भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वैश्विक स्तर पर फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक में एक दशक से अधिक की विशेषज्ञता के साथ, होंडा ने भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए इस मोटरसाइकिल को विशेष रूप से विकसित किया है ताकि भारतीय दोपहिया बाजार के लिए एक सहज फ्लेक्स-फ्यूल संक्रमण बनाया जा सके। नई सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल का लॉन्च भारत सरकार के इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम का समर्थन करने और एक स्वच्छ, हरित भविष्य की दिशा में योगदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।' उन्होंने कहा कि होंडा सीबी300 एफ फ्लेक्स-फ्यूल एक समझौता न करने वाला स्ट्रीट फाइटर है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ शक्तिशाली भी है।

पहली छमाही में मिड-कैप, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में आया 30,342 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान मिड-कैप (मझोली कंपनियों में निवेश करने वाले एमएफ) और स्मॉल-कैप (छोटी कंपनियों में निवेश करने वाले) म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रति निवेशकों ने जबर्दस्त उत्साह दिखाया है। इन योजनाओं में करीब 30,342 करोड़ रुपये का निवेश आया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इन योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न (प्रतिफल) मिला है, जिसके चलते इनके प्रति उनका आकर्षण बना हुआ है। पिछले साल समान अवधि में मिड-कैप और स्मॉल-कैप कोषों में प्रवाह 32,924 करोड़ रुपये रहा था। खास बात यह है कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) स्मॉल-कैप और मिड-कैप कोषों में ऊंचे प्रवाह को लेकर चिंता जता चुका है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक उच्च रिटर्न देने की क्षमता के कारण स्मॉल-कैप और मिड-कैप म्यूचुअल फंड में निवेश जारी रखेंगे। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संदीप बागला ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'आने वाले वर्षों में स्मॉल कैप में तेज वृद्धि जारी रहेगी। मुझे उम्मीद है कि निवेश जारी रहेगा, क्योंकि भारतीय उच्च वृद्धि वाले क्षेत्रों में निवेश करना चाहते हैं। स्मॉल कैप कोष को किसी के पोर्टफोलियो आवंटन का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए।' आंकड़ों के अनुसार, पहली छमाही में मिड-कैप म्यूचुअल फंड में 14,756 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप में 15,586 करोड़ रुपये का निवेश आया। इस तरह कुल आंकड़ा 30,342 करोड़ रुपये बैठता है। ट्रेडजिनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) त्रिवेश ने कहा कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी इन खंड में मिलने वाला ऊंचा रिटर्न है। मिड-कैप और स्मॉल-कैप सूचकांकों ने चालू वित्त वर्ष में अबतक क्रमशः लगभग 20 प्रतिशत और 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

सीमति दायरे में रहेगा बाजार

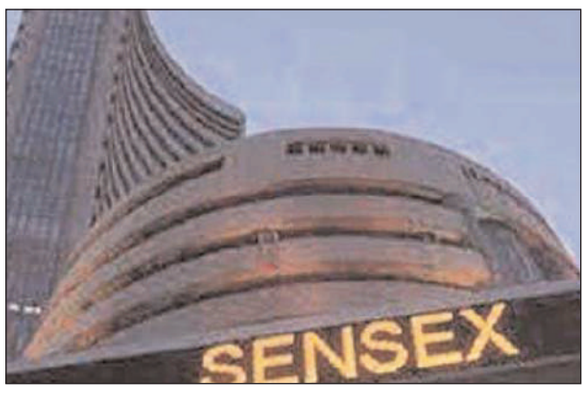

मुंबई, एजेंसी। विदेशी फोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार जारी बिकवाली, कंपनियों की दूसरी तिमाही के कमजोर परिणाम और ऊंचे मूल्यांकन पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह गिरावट पर रहे घरेलू शेयर बाजार अगले सप्ताह सीमति दायरे में कारोबार करेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 156.6 अंक अर्थात 0.21 प्रतिशत कमजोर होकर सप्ताहांत पर 81224.75 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 110.2 अंक यानी 0.44 प्रतिशत उतरकर 24854.05 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बिकवाली का दबाव रहा। इससे मिडकैप 490.5 अंक अर्थात 1.01 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 47946.33 अंक और स्मॉलकैप 100.04 अंक यानी 0.21 प्रतिशत टूटकर 56500.05 अंक रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, बीते सप्ताह एफपीआई की लगातार जारी बिकवाली, कंपनियों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की उम्मीद से कमजोर परिणाम और ऊंचे मूल्यांकन पर हुई बिकवाली का दबाव रहा। कमजोर मांग और इनपुट कीमतों में अस्थिरता के कारण तिमाही के दौरान कंपनियों की आय में मंदी रही। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले भू-राजनीतिक तनाव और अनिश्चितता से निवेशकों ने निवेश के सुरक्षित गंतव्य स्वर्ण की ओर रुख किया, जिससे इस कीमती धातु के भाव नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए।

वहीं, एक प्रमुख ऑटो कंपनी द्वारा त्योहारी मांग कमजोर रहने की चेतावनी से सूचकांकों पर दबाव और बढ़ गया। दूसरी ओर बैंक निफ्टी ने उम्मीद से कम गिरावट के साथ आय सत्र की सकारात्मक शुरूआत के कारण चालू सप्ताह के नुकसान की भरपाई कर ली, जिससे बड़े निजी बैंकों को समर्थन मिला। चीन के प्रोत्साहन उपायों के कारण शेयरों के भाव सस्ते रहने से घरेलू बाजार की तुलना में निवेश का प्रवाह चीनी बाजारों की ओर रहने की उम्मीद है। हालांकि विकास में स्थिरता और पूंजीगत व्यय में वृद्धि के साथ घरेलू बाजार के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण मजबूत बना हुआ है। अल्पावधि में बाजार के मिश्रित रुझान के साथ सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। वहीं, निवेशकों को ऐसे समय में समूह और शेयर विशेष की ओर अधिक रुख करने की सलाह दी जाती है। इनके अलावा निवेशकों का फोकस लार्ज कैप और स्टेपल, कृषि, एफएमसीजी, खपत, बिजली, डिजिटल और इंफ्रा जैसे विकास क्षेत्रों पर रहेगा। निवेशकों को अल्पकालिक से मध्यम अवधि के आधार पर गिरावट पर खरीदारी की रणनीति रखनी चाहिए।

बीते सप्ताह बाजार में दो दिन तेजी जबकि तीन दिन गिरावट रही। चीन के पिछले सप्ताह किए गए प्रोत्साहन वादे के दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षित करने में विफल रहने से विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, आईटी, बैंकिंग, रियल्टी और टेक समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 591.69 अंक की छलांग लगाकर 81,973.05 अंक और निफ्टी 163.70 अंक उछलकर 25,127.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 81,151 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 81,151.31 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 156.61 अंक या 0.19 प्रतिशत नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत सामूहिक रूप से 76,622.05 करोड़ रुपये घट गई। सप्ताह के दौरान आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 28,495.14 करोड़ रुपये बढ़कर 8,90,191.38 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 23,579.11 करोड़ रुपये बढ़कर 12,82,848.30 करोड़ रुपये हो गया। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 17,804.61 करोड़ रुपये बढ़कर 7,31,773.56 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 11,272.45 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,71,707.61 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

चेक कंपनी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है जिंदल समूह

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी वैश्विक उपस्थिति को मजबूत करने के लिए घरेलू जिंदल समूह चेक कंपनी विटकोवाइस की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए बातचीत कर रहा है।

सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि समूह अपनी इकाई जिंदल स्टील इंटरनेशनल के जरिये इस वित्त वर्ष के अंत तक यह अधिग्रहण पूरा कर सकता है। यह यूरोप में जिंदल समूह का पहला अधिग्रहण होगा।

नवीन जिंदल के स्वामित्व वाले कारोबारी घराने की पहले से ही ऑस्ट्रेलिया, मोजाम्बिक और ओमान जैसे देशों में इस्पात, बिजली और खनन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

उद्योग सूत्रों ने कहा, 'दोनों पक्षों का प्रबंधन इस सौदे के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। सौदे के हिस्से के रूप में जिंदल समूह विटकोवाइस स्टील में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा।'

सूत्रों के अनुसार, सौदे का आकार लगभग 15 करोड़ यूरो (लगभग 1,000 करोड़ रुपये) हो सकता है। विटकोवाइस स्टील के अधिग्रहण से जिंदल समूह को यूरोपीय बाजार में पैठ जमाने में मदद मिलेगी। समूह ओमान में अपनी इकाई वल्कन ग्रीन स्टील (वीजीएस) के माध्यम से हाइड्रोजन आधारित स्टील विनिर्माण इकाई भी स्थापित कर रहा है।

केईआई इंडस्ट्रीज ने 'सुरक्षा ज्योति' किया लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। केईआई इंडस्ट्रीज ने देश भर में बिजलीकर्मियों की सुरक्षा और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से ज्योति सीरीज के अंतर्गत अपना सीएसआर अभियान 'सुरक्षा ज्योति' लॉन्च किया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस अभियान के अंतर्गत बिजलीकर्मियों को ई-श्रम कार्ड दिए जाएंगे, जिसके द्वारा उन्हें दुर्घटना बीमा और सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। इस अभियान के अंतर्गत ई-श्रम कार्ड द्वारा पेंशन लाभ की मदद से दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा को भी उजागर किया गया है, जिससे बिजलीकर्मियों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिलेगी।

कंपनी के सीएसआर फाउंडेशन की मुख्य कस्टोडियन एवं कंपनी की निदेशक अर्चना गुप्ता ने सभी बिजलीकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपना परिवार बताया तथा उनके परिवारों की सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, आर्थिक कल्याण एवं सुरक्षा की जरूरत पर बल दिया। इस संकल्प को मजबूत करने के लिए उन्होंने 'ब्राईट फ्यूचर इन सेफ हैंड्स' का नारा दिया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा 'केईआई में 'ज्योति' सीरीज के अंतर्गत हमारे सीएसआर अभियान मानव विकास के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं, जिनमें हैल्थकेयर, भूख, गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, पर्यावरण की सस्टेनेबिलिटी, और खेल को प्रोत्साहन शामिल हैं। हम न केवल घरों को समर्थ बनाते हैं, बल्कि उन लोगों का जीवन भी सशक्त बनाते हैं, जो उनका निर्माण करते हैं। हमारे 'सुरक्षा' ज्योति अभियान द्वारा हम बिजलीकर्मियों का भविष्य सुरक्षित बनाने के लिए समर्पित हैं, और उनके वित्तीय एवं सामाजिक कल्याण में सहयोग देते हैं। हम सभी के लिए एक प्रसन्नचित्त, समृद्ध और खुशनुमा दिवाली की कामना करते हैं।'

इस अभियान द्वारा केईआई इंडस्ट्रीज का उद्देश्य ई-श्रम कार्ड के लिए बिजलीकर्मियों का पंजीकरण करवाकर उन्हें सहयोग देना है ताकि उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इसके मुख्य लाभों में कार्यस्थल पर या दुर्घटनावश मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज, काम करते हुए दुर्घटनाग्रस्त होने पर आंशिक विकलांगता के लिए 1 लाख रुपये का बीमा कवरेज और 60 साल की उम्र पूरी होने पर 3,000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन शामिल हैं।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25.28 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली छमाही में भारत से वाहन निर्यात में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्य रूप से यात्री वाहनों और दोपहिया की खेप बढ़ने से कुल निर्यात बढ़ा है। वाहन विनिमार्ताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर में भारत का वाहन निर्यात 14 प्रतिशत बढ़कर 25,28,248 इकाई रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 22,11,457 इकाई था।

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, 'लातिनी अमेरिका और अफ्रीका जैसे बाजार जहां किसी न किसी वजह से सुस्ती थी, वहां अब स्थिति में सुधार हुआ है। इस वजह से निर्यात का आंकड़ा बढ़ा है।' मुद्राओं के अवमूल्यन के कारण विभिन्न अफ्रीकी देशों और अन्य क्षेत्रों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इससे उनका वाहन आयात प्रभावित हुआ था क्योंकि ये देश आवश्यक वस्तुओं के आयात पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। विभिन्न विदेशी बाजारों में मौद्रिक संकट के कारण वित्त वर्ष 2023-24 में वाहन निर्यात में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। पिछले वित्त वर्ष में कुल निर्यात 45,00,492 इकाई रहा था, जबकि 2022-23 में यह 47,61,299 इकाई था।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल यात्री वाहन निर्यात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 3,76,679 इकाई हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह आंकड़ा 3,36,754 इकाई का था।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी 1,47,063 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष पर रही। कंपनी का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले समान अवधि में कंपनी ने 1,31,546 वाहनों का निर्यात किया था।

हुंदै मोटर इंडिया ने पिछले 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि के 86,105 इकाइयों के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 84,900 वाहनों का निर्यात किया। यह एक प्रतिशत की गिरावट है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि में दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 19,59,145 इकाई हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 16,85,907 इकाई था। समीक्षाधीन अवधि में स्कूटर निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 3,14,533 इकाई हो गया, जबकि मोटरसाइकिल निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 16,41,804 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 35,731 इकाई हो गया। हालांकि, इस अवधि के दौरान तिपहिया वाहनों का निर्यात एक प्रतिशत घटकर 1,53,199 इकाई रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में यह आंकड़ा 1,55,154 इकाई था।

न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में भारत को 8 विकेट से मात देकर तीन मैचों की सीरीज में बनाई 1-0 से बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने इसके साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है।

बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और भारतीय टीम सिर्फ 46 रनों पर ही ऑल आउट हो गई थी। यह भारतीय टीम का भारत में सबसे कम टेस्ट स्कोर था। दूसरी पारी में सरफराज खान, ऋषभ पंत, विराट कोहली द्वारा अच्छी कोशिशों के बावजूद भारतीय टीम पहली पारी के बेहद कम स्कोर से अंत तक उभर नहीं सकी।

भारत ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए थे और चौथी पारी में न्यूजीलैंड को जीत के लिए मात्र 107 रनों का स्कोर दिया था। कीवी टीम ने यह स्कोर पांचवें और अंतिम दिन केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अंतिम दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को जसप्रीत बुमराह ने बगैर खाता खोले एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। इसके बाद दूसरे ओपनर डेवोन कॉन्वे को भी 17 रनों के निजी स्कोर पर इसी तरह से आउट कर दिया गया। इसके बाद विल यंग (48) और रचिन रविंद्र (39) के बीच बनी अटूट अर्धशतकीय भागीदारी ने न्यूजीलैंड की 8 विकेट से जीत सुनिश्चित की।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 8 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत ने चौथी पारी में अपने पांच गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। इससे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पहली पारी के दौरान रचिन रवींद्र के शानदार शतक, कॉन्वे के 91 रन और निचले क्रम पर टिम साउदी द्वारा बनाए गए अहम 65 रनों की बदौलत 402 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

वहीं भारत की ओर से पहली पारी के फ्लॉप शो के बाद दूसरी पारी में सरफराज खान ने शानदार 150 रनों की पारी खेली थी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी 105 गेंदों पर तेज 99 रन बनाए थे। इससे पहले रोहित शर्मा ने 52 और विराट कोहली ने 70 रनों का योगदान दिया था। एक समय भारत का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 433 रन था। लेकिन निचले मध्यक्रम और निचले क्रम के सस्ते में ढहने के बाद भारतीय पारी सिर्फ 462 रनों पर ढेर हो गई थी।

एक नजर

जोकोविच ने नडाल को, सिनेर ने अल्काराज को हराया

रियाद, एजेंसी। इटली के यानिक सिनेर ने कार्लोस अल्काराज को 6.7, 6.3, 6.3 से हराकर सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप जीती जबकि नोवाक जोकोविच ने तीसरे स्थान के मैच में रफेल नडाल को 6.2, 7.6 से हराया। नडाल अपने कैरियर में आखिरी बार यह चैम्पियनशिप खेल रहे थे। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिये खेलने के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे। इस नुमाइशी टूनार्मेंट के पिछले दौर में अल्काराज ने नडाल और सिनेर के अलावा जोकोविच को भी हराया था। इस टूनार्मेंट में पुरस्कार राशि मिलती है लेकिन एटीपी अंक नहीं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकली अगले साल मार्च में देंगे इस्तीफा

सिडनी, एजेंसी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकली ने कहा है कि वह पांच साल पद पर रहने के बाद अगले साल मार्च में इस्तीफा देंगे। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड और निदेशकों ने हॉकली को सूचित कर दिया है कि उनकी नियुक्ति दीर्घकालिन आधार पर नहीं हुई है और आपसी सहमति से वह इस्तीफा दे सकते हैं। अखबार ने लिखा, 'हॉकली ने सीए बोर्ड को बताया कि वह मार्च में पद छोड़ेंगे। इससे पहले माइक बेयर्ड और निदेशकों ने फैसला किया कि हॉकली लंबे समय तक सीईओ नहीं रहेंगे लेकिन उन्हें उनकी शर्तो पर जाने की सहूलियत दी है।' भारतीय टीम तीन सप्ताह के भीतर पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलने आ रही है और हॉकली ने कहा कि इस समय इस्तीफा उनके जेहन में नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह अलविदा कहने का समय नहीं है क्योंकि मेरा पूरा फोकस अगले सत्र पर है।'

फुगे विश्व कप फाइनल में पदक से चूके, ज्योति क्वार्टर फाइनल से बाहर

टिलेक्सकला (मैक्सिको), एजेंसी। उदीयमान सितारे प्रथमेश फुगे तीरंदाजी विश्व कप कंपाउंड सेमीफाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में मौजूदा चैम्पियन मथियास फुलेर्टन से हारकर पदक से चूक गए। रोमांचक मुकाबले में दोनों तीरंदाजों ने पांचों दौर में परफेक्ट 10 स्कोर किया और एक अंक भी नहीं गंवाया। स्कोर 150.150 रहने के बाद शूटआफ से विजेता का फैसला हुआ। शूटआफ में भी स्कोर 10.10 से बराबर रहा। इसके बाद डेनमार्क के तीरंदाज ने मामूली अंतर से फुगे को हराया। फुगे अगर जीत जाते तो पदक पक्का हो जाता। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में वह विश्व चैम्पियन माइक शोलेसेर से 150.146 से हार गए।

मैकलारेन, पेट्राटोस के गोल से मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को हराया

कोलकाता, एजेंसी। मोहन बागान ने शनिवार को यहां सत्र के पहले 'डर्बी' मुकाबले में दबदबा बनाते हुए ईस्ट बंगाल पर 2-0 से जीत दर्ज की जिससे टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। जैमी मैकलारेन ने 41वें मिनट में गोल कर मोहन बागान की टीम को 1-0 से आगे कर दिया। मोहन बागान ने प्रतिद्वंद्वी टीम को कोई गोल नहीं करने दिया और 89वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी दिमित्रि पेट्रोटोस ने पेनल्टी पर गोल कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। यह मोहन बागान की पांच मैच में दूसरी जीत है जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है और शीर्ष पर चल रही बेंगलुरू एफसी से तीन अंक पीछे है।

क्लब विश्व कप खेलेंगे लियोनेल मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी अगले साल क्लब विश्व कप खेलेंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इंफेंटिनो ने शनिवार की रात घोषणा की कि इंटर मियामी इस टूनार्मेंट में खेलेगा। मेस्सी की अपार लोकप्रियता को देखते हुए इस घोषणा की अपेक्षा भी की जा रही थी। हर चार साल में खेले जाने वाले इस टूनार्मेंट में फीफा के छह फुटबॉल परिसंघों की 32 टीमें भाग लेती हैं। इंटर मियामी 15 जून 2025 को मियामी गार्डन्स से पहला मैच खेलेगी।

हांगकांग में एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

हांगकांग, एजेंसी। रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे। शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते। भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते। पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं। एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पधाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे। उनका स्वर्ण पदक जीतने का समय 32:43 था। कार्तिक कुमार चौथे स्थान पर रहे। भारत की सीमा ने 37:20 का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। संजीवनी ने भी 37:20 का ही समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

परिणाम:

महिला (10 किलोमीटर): सीमा 37:20, संजीवनी जाधव 37:20, ही वुगा (चीन) 38:02। महिला (अंडर 20) 6 किलोमीटर: ली युआन (चीन) 22:59, शिल्पाबेन वेलजीभाई दिहोरा (भारत) 23:04, फैंग युजिया (चीन) 23:05।

पुरुष (10 किलोमीटर): गुलवीर सिंह (भारत) 32:43, अभिषेक पाल (भारत) 32:49, अरुण राठौड़ (भारत) 32:51।

पुरुष (अंडर 20) 8 किलोमीटर: विनोद सिंह (भारत) 26:30, फू किगुआंग (चीन) 26:33, यू शुइकिंग (चीन) 26:44।

हरियाणा की पहली पारी 453 रन पर सिमटी

लखनऊ, एजेंसी। हिमांशु राणा (114) के बाद धीरु सिंह (103) के शतकीय प्रहार और सातवें विकेट के लिये सुमित कुमार (61) के साथ 113 रन की साझीदारी की बदौलत हरियाणा ने रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले के तीसरे दिन रविवार को मेजबान उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपनी पहली पारी में 453 रन मजबूत स्कोर खड़ा कर लिया गया। स्पोर्टस गैलेक्सी क्रिकेट ग्राउंड पर सुबह के सत्र में युजवेंद्र चहल (48, 64) के रूप में आज हरियाणा की पारी का आखिरी विकेट गिरा जिन्हें शिवम शर्मा ने बोल्ड किया। आसान दिख रही पिच पर मेजबान टीम का लक्ष्य हरियाणा की पहली पारी के स्कोर को पार करने का होगा जिससे वह तीन अंक सुरक्षित कर सके। दो दिन से ज्यादा के खेल में एक पारी समाप्त हुयी है जिसको देखते हुए मैच फिलहाल ड्रा की ओर झुकता दिख रहा है। शनिवार को यूपी के गेंदबाजों को पूरे दिन के खेल में सिर्फ तीन विकेट मिले थे।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा (स्पेन), एजेंसी। रियल मैड्रिड के कप्तान लुका मोड्रिक ने क्लब के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनकर नया रिकॉर्ड बनाया। 39 साल और 40 दिन की उम्र में उन्होंने सेल्टा विगो के खिलाफ मैच खेला, जिससे उन्होंने पहले के रिकॉर्ड धारक फेरेंक पुस्कास को पीछे छोड़ दिया। पुस्कास ने 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी मैच खेला था।

इसके अलावा, इस मैच में लुका ने ला लिगा में अपनी 250वीं जीत भी हासिल की। उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 369वीं ला लीगा मैच में यह मुकाम हासिल किया। लुका 2012 में क्लब से जुड़े थे और तब से उन्होंने 28 गोल किए हैं, जिससे क्लब ने चार बार ला लीगा का खिताब जीता है (2017, 2020, 2022 और 2024)।

लुका ने सबसे ज्यादा जीत सेल्टा टीम के खिलाफ हासिल की है, जिनके खिलाफ उन्होंने 19 बार जीत दर्ज की है। मोड्रिक रियल मैड्रिड के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने क्लब के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपियन कप, 5 क्लब वर्ल्ड कप, 5 यूरोपियन सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।

रियल मैड्रिड के मैनेजर कार्लो एंचेलोटी (65) ने भी मिडफील्डर लुका मोड्रिक की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, 'मोड्रिक के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत और बेहतरीन प्रोफेशनलिज्म का नतीजा है।'

मोड्रिक का रिकॉर्ड काफी शानदार है, लेकिन चैंपियंस लीग के इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का खिताब इटली के गोलकीपर मार्को बालोट्टा के पास है, जिन्होंने 43 साल और 252 दिन की उम्र में खेला था। ला लीगा में, सबसे उम्रदराज खिलाड़ी इंग्लैंड के हैरी लोव हैं, जो 1935 में रियल सोसिएदाद टीम के लिए खेलते समय 48 साल के थे।

कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बनेगी: उमर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कश्मीर मैराथन हर साल आयोजित की जाएगी और यह दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बन जाएगी।

श्री अब्दुल्ला ने आज यहां संवाददाताओं से कहा,"मैं उन सभी एथलीटों को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी दौड़ पूरी की।" उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष एथलेटिक प्रतियोगिताओं में से एक बन जाएगी। उन्होंने ने कहा, "मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूरी कर पाऊंगा। मैंने अपने जीवन में अब तक 12 या 13 किलोमीटर दौड़ लगाई थी, लेकिन मुझे उन एथलीटों ने प्रोत्साहित किया, जिन्होंने साथ-साथ दौड़ लगाई।"

श्री उन्होंने कहा,"मैं कश्मीर मैराथन के इतने अच्छे आयोजन के लिए पर्यटन विभाग और इससे जुड़े अधिकारियों को बधाई देता हूं।"

मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं श्रीनगर के लोगों का शुक्रगुजार हूं कि वे धावकों का हौसला बढ़ाने के लिए आगे आए। मुझे उम्मीद है कि कश्मीर मैराथन दुनिया की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक बनेगी।" उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि कश्मीर घाटी में हर साल मैराथन का आयोजन किया जाएगा और कश्मीर का नाम भी दुनिया के नामचीन एथलीटों के साथ जाना जाएगा।"

अभिनेता सुनील शेट्टी ने संवाददाताओं से कहा, "यह एक अविश्वसनीय अनुभव था और अंतरराष्ट्रीय कश्मीर मैराथन आयोजित करने का विचार शानदार था। उन्होंने कहा, "स्वर्ग में डर के खिलाफ दौड़ना यह साबित करता है कि हम सबसे सुरक्षित जगह पर हैं। तेरह देशों के 1700 एथलीट भाग ले रहे हैं, जो एक शानदार बात है।" उन्होंने कहा, "भविष्य में इस तरह के आयोजन का आयोजन बहुत जरूरी है। जब भी मैं कश्मीर आता हूं, तो मुझे शांति का एहसास होता है, लेकिन आज की दौड़ ऐतिहासिक थी।" अभिनेता ने कहा, "विभिन्न देशों के एथलीटों ने मैराथन में हिस्सा लिया। खेल एकता और विविधता को बढ़ावा देते हैं... 42 किलोमीटर तक निडर होकर मैराथन दौड़ना ऐतिहासिक था। लोगों में काफी उत्साह था।"

उन्होंने कहा कि लोगों और अधिकारियों में भारी उत्साह है और लोग चाहते हैं कि कश्मीर में इस तरह का आयोजन हो।अभिनेता ने कहा, "मैंने कई जगहों पर देखा कि लोग रास्ते में खिलाड़ियों को पानी की बोतलें दे रहे थे, जो कश्मीर के लोगों के आतिथ्य का वर्णन करता है।"

जोशुआ और एलेमाडिस ने जीता वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। यूगांडा के धावक जोशुआ चेप्टेगी और इथियोपिया की एलेमाडिस इयायु ने रविवार वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 19वें संस्करण में पुरुष वर्ग तथा महिला वर्ग का खिताब जीता हैं। आज यहां आयोजित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में मौजूदा विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी ने 59.46 सेकंड का समय के साथ जीत दर्ज की। वहीं एलेमाडिसा इयायु ने एक घंटे आठ मिनट और 17 सेकंड का समय के साथ महिला वर्ग का खिताब जीता। पुरुष वर्ग में केन्या के एलेक्स माटाटा 59 मिनट 53 सेकेंड के साथ दूसरे और उनके हमवतन निकोलस किपकोरिर 59 मिनट 59 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में केन्या की सिंथिया लिमो एक घंटा आठ मिनट 27 सेकेंड के साथ दूसरे स्थान पर रही। इथियोपिया की तिरुये मेसफिन ने एक घंटे नौ मिनट 42 सेकेंड के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत के सावन बरवाल ने एक घंटा दो मिनट और 46 सेकंड के साथ पुरुष वर्ग और लिली दास ने एक घंटा 18 मिनट और 12 सेकंड के साथ महिला वर्ग के खिताब जीते। भारतीय पुरुश वर्ग में पुनीत यादव एक घंटा तीन मिनट 55 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर तथा किरण मात्रे ने एक घंटा चार मिनट 58 सेकेंड के साथ हासिल किया। भारतीय एलीट महिला वर्ग में, लिली दास अपने प्रतिद्वंद्वियों से मीलों आगे रहीं, उन्होंने एक घंटा 18 मिनट 12 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल की विजेता कविता यादव एक घंटा 19 मिनट 44 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति लंबा ने एक घंटा 20 मिनट 21 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस दौरान केन्या के एलेक्स मटाटा (27) ने अपने साथी निकोलस किपकोरिर के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली हाफ मैराथन दौड़ी।

दौड़ के बाद जोशुआ चेप्टेगी ने कहा, 'दिल्ली में यह जीत मेरे लिए खास थी क्योंकि यह हाफ मैराथन में मेरी पहली जीत है। भारत मेरे करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा है और यह देश अब मेरे लिए बहुत मायने रखता है। धीमी शुरूआत के बावजूद मैं पूरी रेस में अच्छा महसूस कर रहा था। मेरा पहला लक्ष्य रेस के अंतिम कुछ किलोमीटर में निकोलस (किपकोरिर) और फिर एलेक्स (मटाटा) को पछाड़ना था। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं और उम्मीद करता हूं कि भविष्य की दौड़ो में भी मैं इसी तरह आगे बढ़ूंगा।'

एलेमाडिस इयायु, मैंने अच्छी दौड़ लगाई, अपनी गति बनाए रखने का प्रयास किया और अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखा।

बेंगलुरु टेस्ट में भारत की हार के बाद रोचक हुई डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़

बेंगलुरु, एजेंसी। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड टीम की आठ विकेट की जीत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग के नए अपडेट के अनुसार, भारत अभी भी शीर्ष पर बना हुआ है, लेकिन बेंगलुरु में हार के कारण दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त कम हो गई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में मिली आठ विकेट से हार के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ रोचक हो गई है। अब तक भारत के पास 68.06 प्रतिशत अंक हैं, और उन्हें इसे बेहतर करने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे और मुंबई में दो और टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की सीरीज खेलनी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया (62.50 प्रतिशत) और श्रीलंका (55.56 प्रतिशत) का स्थान है।

भारत के पास इस समय 68.06 प्रतिशत अंक हैं और मौजूदा डब्ल्यूटीसी में उसके सात मैच बचे हुए हैं। जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच बचे हुए हैं।

भारत को अपने दम पर फाइनल में पहुंचने के लिए अगले सात मैचों में चार मैच जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका अगर अपने सभी बचे हुए छह टेस्ट मैच जीतने में कामयाब रहता है तो वह 69.44 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकता है।

दूसरी ओर 2021 के विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड की टीम छठे स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ते हुए 44.44 प्रतिशत अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

न्यूजीलैंड की टीम भी रैंकिंग में शीर्ष दो में पहुंचने का लक्ष्य रख सकती है। उनके पास भारत के खिलाफ दो मैच हैं और फिर वे इंग्लैंड की टीम की मेजबानी करेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के ताजा मैच की बात करें तो बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में कीवी गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी ने पहली पारी में भारत को सिर्फ 46 रन पर समेट दिया, जिससे न्यूजीलैंड ने शुरूआत में ही बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड ने 356 रनों की बढ़त बनाई, जिसमें रचिन रवींद्र के शानदार 134 रनों का योगदान था।

भारत ने अपनी दूसरी पारी में 462 रन बनाए, जिसमें सरफराज खान (150) और ऋषभ पंत (99) के बीच चौथे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी ने भारत को मुकाबले में वापस लाया। लेकिन दूसरी नई गेंद पर भारत ने सात विकेट गंवा दिए, जिससे न्यूजीलैंड फिर से खेल में वापस आया और मैच जीत लिया।

तीनों खान से लेकर

अक्षय कुमार तक बॉलीवुड स्टार्स को मिल चुकी है जान से मारने की धमकियां

बाबा सिद्दीकी को सरेआम गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. जिसके बाद से पूरी मुंबई दहशत में है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं. मुंबई देर रात तब दहल उठा जब एनसीपी (अजित पवार) के नेता बाबा सिद्दीकी को गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई. बाबा सिद्दीकी का कनेक्शन राजनीति और बॉलीवुड की हस्तियों के साथ भी रहा है. बाबा सिद्दीकी एक बड़ा नाम है, जो अभिनेता सलमान खान और शाहरुख खान की दोस्ती करायी थी.इस समय पूरी मुंबई में चप्पा-चप्पा पर पुलिस तैनात हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड स्टार्स को भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं.

सलमान खान

सलमान खान को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं. राजस्थान के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी है. एक बार तो सलमान के घर के बाहर फायरिंग भी हुई थी. जिसके बाद से सलमान की सुरक्षा को और भी बढ़ा दिया गया. इतना ही सलमान के पिता सलिम खान को भी धमकियां मिल चुकी है. फिलहाल सलमान खान के घर के बार सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है साथ ही मुंबई पुलिस ने उन्हें घर के अंदर रहने की सलाह दी है.

शाहरुख खान

बादशाह शाहरुख खान को भी जान से मारने की कई बार धमकियां मिल चुकी है. शाहरुख खान को अंडरवर्ल्ड की तरफ से ये धमकी मिली थी. एक्टर पर लगातार अंडरवर्ल्ड के साथ काम करने और साथ ही फिल्मों की कमाई से हिस्सा देने की मांग की जा रही थी. यह भी मामला उन दिनों काफी सुर्खियों में बना था.

आमिर खान

सत्यमेव जयते की शूटिंग के समय आमिर खान को भी धमकी मिल चुकी है. जिसे देखते हुए आमिर ने खुद की सेफ्टी के लिए बुलेट प्रूफ कार खरीदी थी. यह भी केस उस समय काफी छाया हुआ था.

राकेश रोशन

बॉलीवुड फिल्म मेकर राकेश रोशन को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. इतना ही नहीं राकेश रोशन को धमकी के साथ-साथ कई बार उनपर गोलियां भी चलाई गई थी. जिनमें से एक बार तो राकेश रोशन के हाथ में गोली लग गई थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था.

महेश भट्ट

फिल्म मेकर महेश भट्ट को भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 12-13 लोगों के एक ग्रुप ने महेश भट्ट पर हमला करने की प्लानिंग की थी. हालांकि मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड की इस साजिश को नाकामयाब कर दिया था. लेकिन यह मामला भी काफी सुर्खियों में बना था.

संजय दत्त

अभिनेत्रा संजय दत्त को भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. क्योंकि संजय दत्त की दोस्ती अंडरवर्ल्ड के साथ काफी अच्छी है. लेकिन बीच में खबर आने लगी थी कि दाऊद इब्राहिम और अबू सलेम की तरफ से उन्हें धमकियां दी जाती थी.

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार को भी गैंगस्टर रवि पुजारा की तरफ से धमकी मिल चुकी है. मीडिया रिपोर्ट की माने तो जब अक्षय कुमार ने काम करने वाले नौकर को काम पर से निकाल दिया था तब गैंगस्टर ने अक्षय को फोन कर बोला था कि नौकर को काम से हटाकर अच्छा नहीं किया है. यह केस भी उन दिनों काफी ट्रेंड में था.

जन्नत जुबैर के इस पोस्ट पर थम गई निगाहें

टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस जन्नत

साल 2001 में जन्मीं जन्नत टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं। उन्हें काशी, फुलवा और तू आशिकी में दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है। वो 2022 में खतरों के खिलाड़ी 12 में भी पार्टिसिपेट कर चुकी हैं।

टीवी एक्ट्रेस जन्नत जुबैर अपने चाहने वालों के लिए ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं कि हर कोई दिल थामकर देखता रहता है। उनके हालिया पोस्ट को देख हर किसी की निगाहें थम गईं। फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, लेकिन कुछ यूजर्स हैं, जो ताना मार रहे हैं और उन्हें उर्फी जावेद की छोटी बहन बता रहे हैं।

जन्नत के पोस्ट पर जैस्मीन भसीन ने कॉमेंट किया, बहुत प्रिटी। पर कुछ यूजर्स उन्हें ताने मार रहे हैं। एक ने लिखा, उर्फी जावेद की छोटी बहन। तो दूसरे ने कॉमेंट किया, मुस्लिम नाम पर कलंक। कई उन्हें छपरी बोल रहे हैं तो भद्दी बातें बोल रहा है। जन्नत को बीते दिनों लाफ्टर शेफ्स शो में देखा जा रहा था। उनकी जोड़ी उनकी दोस्त रीम शेख के साथ बनी थी। इस शो में ऐसी 6 जोड़ियां थीं। अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, कश्मीरा शाह-कृष्णा अभिषेक, निया शर्मा-सुदेश लहरी, राहुल वैद्य-अली गोनी, अर्जुन बिजलानी-करण कुंद्रा। होस्ट भारती सिंह और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी।

जल्द आएगा शो का दूसरा सीजन

बताया जा रहा है कि लाफ्टर शेफ्स को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया, इसलिए इसका दूसरा सीजन जल्द शुरू होगा। हालांकि, अभी इसको लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।

करण जौहर ने दिव्या खोसला को कहा मूर्ख

आलिया भट्ट स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज होने के बाद से ही करण जौहर और दिव्या खोसला कुमार के बीच बहस जारी है। दरअसल, दिव्या का आरोप है कि करण जौहर ने उनकी फिल्म सावी को कॉपी कर जिगरा बनाई है। स्क्रिप्ट चुराने के आरोप लगाने के बाद दिव्या ने हाल ही में जिगरा के खाली थिएटर्स की तस्वीरें शेयर कर कहा था कि आलिया ने अपनी फिल्म की टिकटें खरीदीं और फेक कलेक्शन अनाउंस करवाया है। इसके बाद करण जौहर ने एक पोस्ट शेयर कर दिव्या का नाम लिए बिना उन्हें मूर्ख कहा है।

दिव्या ने बीते दिन पोस्ट में लिखा था, 'जिगरा देखने सिटी मॉल के पीवीआर गई थी, थिएटर पूरी तरह खाली था। बल्कि हर जगह सभी थिएटर्स खाली जा रहे हैं। आलिया भट्ट में सच में बहुत जिगरा है, खुद ही टिकट खरीदे और फेक कलेक्शन अनाउंस कर दिए। मैं हैरान हूं कि आखिर पेड मीडिया चुप क्यों है? जनता को उल्लू नहीं बनाना चाहिए। झूठ के ऊपर सच है।

इसके जवाब में करण जौहर ने बिना नाम लिए लिखा है, बेवकूफों के लिए खामोश रहना ही सबसे बेहतरीन जवाब है। दिव्या खोसला ने करण की पोस्ट सामने आने के बाद जवाब में लिखा है, सच्चाई हमेशा इसके खिलाफ खड़े मूर्खों को भड़का देती है। अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा, जब आप बेशर्मी से दूसरों की चीजों पर हक जमाते हुए उसे चुराते हैं, तो आपको चुप रहकर ही बचना पड़ेगा। आपकी कोई आवाज और रीढ़ की हड्डी नहीं होती।

क्या है पूरा मुद्दा?

31 मई 2024 को दिव्या खोसला कुमार की फिल्म सावी रिलीज हुई थी। फिल्म में एक बहन की कहानी थी, जो अपने भाई को बचाने की जद्दोजहद करती है। हाल ही में 11 अक्टूबर को आलिया भट्ट और वेदांग रैना स्टारर फिल्म जिगरा रिलीज हुई है, जिसकी स्टोरीलाइन सावी से एकदम मेल खाती है। जिगरा का ट्रेलर आने के बाद से ही दिव्या की टीम, जिगरा मेकर्स पर सावी की कहानी चोरी करने का आरोप लगा रही है। उनकी पीआर टीम ने एक नोट शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। एक्ट्रेस का आरोप है कि, आलिया ने उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट चुराई और फिर डायरेक्टर वासन बाला के साथ मिलकर उसमें बदलाव करके 'जिगरा' नाम से रिलीज कर दिया।

डायरेक्टर राज शांडिल्य ने मैडॉक से मांगी माफी

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। हालांकि, इसी बीच फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य को मैडॉक फिल्म्स से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल राज ने मैडॉक फिल्म्स की फिल्म 'स्त्री' के किरदार और डायलॉग बिना इजाजत अपनी फिल्म 'विक्की विद्या..' में यूज किए थे। राज ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए अपनी फिल्म से ऐसे सीन हटाने की बात भी कही है। राज ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं राज शांडिल्य, फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का डायरेक्टर अपनी और हमारी फिल्म के मेकर्स की ओर से, मैडॉक फिल्म्स की फ्रेंचाइजी 'स्त्री' के कैरेक्टर और डायलॉग्स अपनी फिल्म में बिना इजाजत इस्तेमाल करने के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं। इस उल्लंघन की वजह से मैडॉक फिल्म्स और उनकी फ्रेंचाइजी को जो भी नुकसान हुआ उसके लिए हमें गहरा खेद है।'

कपिल शर्मा शो में करीना ने किया खुलासा

करिश्मा से जलते हैं सैफ

हाल ही में कपूर सिस्टर्स करीना और करिश्मा द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो का हिस्सा बनी हैं। शो में दोनों ने पर्सनल लाइफ और इक्वेशन पर मजेदार बातचीत की है। हाल ही में शो का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना ने ये दावा किया है कि उनके पति सैफ अली खान, बहन करिश्मा से जलते हैं।

बातचीत के दौरान कपिल शर्मा ने कपूर सिस्टर्स से पूछा था कि क्या वो हर हफ्ते मिलते हैं। इस पर करीना ने कहा है कि अगर वो शूट नहीं करती तो रोज करिश्मा से मिलती हैं। आगे करीना ने कहा है, मेरे पति सबसे ज्यादा लोलो (करिश्मा) से जलते हैं। वो हमेशा कहते हैं कि तुम मुझसे भी ज्यादा लोलो से बातें करती हो। मुझे ऐसा लगता है कि तुम मेरे साथ नहीं लोलो के साथ ही रहती हो।

आगे करीना ने कहा है, हम बहुत क्लोज हैं। हम दिन में कम से कम 3-4 बार कॉल पर बात करते हैं। मैं पेरेंट्स के बारे में या कुछ भी हो जाए, हर बात उससे शेयर करती हूं। इस पर करिश्मा ने कहा है कि हम बच्चों के बारे में,

कुक के बारे में हर बात करते हैं। हमारी बात सुबह शुरू होती है और रात होने तक खत्म होती है। शो में करिश्मा ने बताया है कि जिस समय करीना ने उन्हें अपने और सैफ के रिश्ते के बारे में बताया तब वो लंदन में थीं। दोनों की डेटिंग की खबर सुनकर करिश्मा कपूर शॉक हो गई थीं। शो में कपिल शर्मा ने करीना से करिश्मा से जुड़े कुछ सवाल किए थे। उन्होंने करीना से पूछा कि करिश्मा की वो कौन सी फिल्म है जो उन्हें नापसंद है। इस पर करीना ने मैदान-ए-जंग का नाम लिया। आगे जब उनसे पूछा गया कि करिश्मा का पहला सेलिब्रिटी क्रश कौन था, तो जवाब में करीना ने सलमान खान का नाम लिया।

करिश्मा कपूर के को-स्टार रह चुके हैं सैफ अली खान

बताते चलें करिश्मा कपूर और सैफ अली खान एक समय में ऑन-स्क्रीन जोड़ी बनकर काम कर चुके हैं। दोनों को 1999 की फिल्म हम साथ-साथ हैं में साथ देखा गया था, जिसमें उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था।

मल्लिका शेरावत का कैलिफोर्निया वाला घर किसी सपने से कम नहीं!

कई सारे स्विमिंग पूल, जिम और बाहर सुंदर सी झोपड़ी

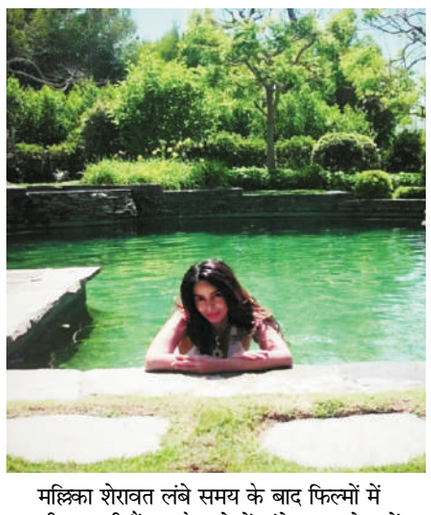

मल्लिका शेरावत लंबे समय के बाद फिल्मों में वापसी कर रही हैं। उनके बारे में लंबे समय से बातें नहीं हुई हैं लेकिन अब लोग काफी कुछ जानना चाहते हैं। मल्लिका के कैलिफोर्निया वाले घर पर अगर आपकी नजर नहीं पड़ी तो ये फोटोज जरूर देखिए। मल्लिका शेरावत ने 2002 में फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से फिल्मों में कदम रखा। हालांकि, 2004 की फिल्म मर्डर से उन्हें काफी पहचान मिली और वह अपने करियर में एक के बाद एक फिल्मों में काम करती गईं। बाद में वो अमेरिका चली गईं और अब हम आपको उनके अमेरिका वाले घर की फोटोज दिखा रहे हैं, जो किसी के भी सपनों का घर हो सकता है।

शादी के 2 साल बाद फिर दूल्हा बने रणबीर

राहा के पापा रणबीर कपूर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर छा गए हैं. इस समय फैंस के बीच रणबीर कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में रणबीर कपूर दूल्हे के लिबास में नजर आ रहे हैं. रणबीर कपूर बॉलीवुड के जानेमाने डिजाइनर तरुण तहिलियानी के फैशन शो का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली पहुंचे थे. यहां पर रणबीर कपूर ने शोजटॉपर बनकर धमाकेदार एंट्री मारी. इस दौरान रणबीर कपूर दूल्हा बनकर सफेद गाड़ी की सवारी करते नजर आए. वायरल हो रहे वीडियो में रणबीर कपूर तरुण तहिलियानी के साथ नजर आ रहे हैं. वीडियो में रणबीर कपूर सफेद रंग की शेरवानी पहने दिख रहे हैं. जिसके साथ रणबीर कपूर ने सफेद रंग की खूबसूरत पगड़ी पहनी है. रणबीर कपूर की मोजड़ी ने तो उनके लुक पर चार चांद ही लगा दिए. अब रणबीर कपूर का ये वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है. लोग सोशल मीडिया पर लगातार रणबीर कपूर के लुक की तारीफ कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि रणबीर कपूर का मुकाबली कोई नहीं कर सकता. रणबीर कपूर को लेग बेस्ट शोज टॉपर बता रहे हैं. बता दें इन दिनों फिल्म रणबीर कपूर लगातार फिल्म धूम 4 की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं. कुछ समय पहले ही खबर आई थी कि रणबीर कपूर यशराज फिल्म्स की इस हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने वाले हैं.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401